

Highbrow
Series

वसुंधरा

(हिन्दी की पाठमाला)



उत्तर-पुस्तिका
भाग 1 से 5

वसुंधरा-1

पाठ-1 : क्रमानुसार वर्णमाला ज्ञान

(क) अ, इ, ए, ओ, ऊ, ई, अं

(ख) च, छ, ज, थ, न, प, ट, ण, ज, ल, भ, रा, ऋ, ऌ, झ, श, फ, र, ष, ह

पाठ-3 : मात्रा-चिह्न का ज्ञान

1. (क) ा (ख) (ग) े, ि, (घ) ू, (ङ) ्र, (च) ी, (छ) ु, (ज) ै, (झ)

2. ॅ – वहाँ, ी – सही, ु – पुल, ा – आम, े – ओला, ै – फौज, ि – पिन

पाठ-4 : 'आ' की मात्रा (ा) का ज्ञान

1. चाचा, मामा, पाला, बाबा, नाना

ताला, बाला, जाला, काला, माला

2. (क) चाचा आम लाया, (ख) काला बादल आया, (ग) बादल बरसा, (घ) वानर आया, (ङ) बाजार गया, (च) ताला लाया

3. (क) घाट, (ख) आम, (ग) ताला, (घ) बाजा, (ङ) टमाटर (च) कपड़ा, (छ) छाता, (ज) माला,

4. (क) घाट (ख) माला (ग) छाता, (घ) चाचा

5. आम, छाता, टमाटर, ताला, बाजा, कपड़ा।

पाठ-5 : 'इ' की मात्रा (ि) का ज्ञान

1. (क) हिरन और हिरनी को, (ख) जंगल में, (ग) बहेलिए की स्त्री ने (घ) जाल

2. दिन, पिन, शनि, किला

3. (क) गिलास, (ख) चिड़िया, (ग) पिन, (घ) दिया, (ङ) खटिया, (च) हिरन

4. (क) नारियल, (ख) पिलपिला, (ग) तकिया, (घ) डलिया, (ङ) लिफाफा, (च) बगिया, (छ) लुटिया (ज) गिरगिट,

पाठ-6 : 'ई' की मात्रा (ी) का ज्ञान

1. सोनाली, मोनाली, रहती, गोरी, पीली, साड़ी, नीली, पानी, काली, लड़की

2. (क) पानी, (ख) काला, (ग) गुण, (घ) नीली

3. (क) साली, नाली, जाली, माली, (ख) पीली, सीली, तीली, कीली, (ग) उमावती, रूपवती, फुलवती, कुलवती, (घ) तरसाती, घिसाती, बरसाती, रिसाती
4. (क) बगीचा, (ख) चाबी, (ग) हाथी

पाठ-7 : 'उ' की मात्रा (ु) का ज्ञान

1. (क) गुड़िया, (ख) कुली, (ग) मुर्गा
2. (क) गुड़िया, (ख) चतुर, (ग) कुमकुम (घ) गरूड़
3. (क) गुर्गा, (ख) पुड़िया (ग) मुद्दा, (घ) रुख,
4. (क) बुलबुल, (ख) हनुमान, (ग) निरूपमा। (घ) सुराही

पाठ-8 : 'ऊ' की मात्रा (ू) का ज्ञान

1. (क) कबूतर, (ख) उल्लू, (ग) खरबूजा
2. (क) शहतूत, (ख) मालू, (ग) भोलू, (घ) बीस, (ङ) बेवकूफ़
3. (क) तरबूज, (ख) बूढ़ा, (ग) उल्लू, (घ) बुद्धू, (ङ) बापू, (च) मालू
4. (क) करतूत, (ख) कोलू, (ग) हुजूर, (घ) लूप
5. छोटू, बापू, शहतूत, उल्लू, कालू।

पाठ-9 : 'ऋ' की मात्रा (ृ) का ज्ञान

1. (क) मृग, (ख) दृग, (ग) कृषक
2. (क) वन में, (ख) वृद्ध लोगों ने, (ग) मृग ने, (घ) कृष, (ङ) वृषभ,
3. (क) ऋषि, (ख) मृग
4. (क) वृषभ, (ख) कृष, (ग) मृत, (घ) दृग, (ङ) मृग

पाठ-10 : 'ए' वृत्ति मात्रा (े) का ज्ञान

1. (क) मेज, (ख) रेल, (ग) लालटेन
2. (क) पेड़े, (ख) रेलगाड़ी वाला, (ग) मेला देखने, (घ) दही-भल्ले और पानी के बताशे
3. (क) दही-भल्ले हमने बड़े चाव से खाए।
(ख) रेशम का कीड़ा बड़े काम आता है।
(ग) मम्मी ने दादी के लिए मंदिर से देवी की मूर्ति खरीदी।
(घ) मैं मम्मी-पापा के साथ मेला देखने गई।
4. (क) मेला, (ख) पेड़ा, (ग) सवेरा, (घ) खेलना।

पाठ-11 : 'ऐ' की मात्रा (ै) का ज्ञान

1. (क) पैर, (ख) सैनिक, (ग) थैला
2. (क) शैतान, (ख) बैंगन, (ग) भैया, (घ) बैलगाड़ी, (ङ) बैजनाथ
3. (क) फौजी, (ख) गैस, (ग) बैंगन, (घ) टैक्सी

पाठ-12 : 'ओ' की मात्रा (ो) का ज्ञान

1. (क) ढोल, (ख) लोटा, (ग) मोर
2. (क) शोर, (ख) शोर, (ग) मयूरी, (घ) ओले, (ङ) मोर
3. (क) चोर, (ख) सरोवर, (ग) गोले, (घ) गोयल, (ङ) चकोरी, (च) मोर।

पाठ-13 : 'औ' की मात्रा (ौ) का ज्ञान

1. (क) तौलिया, (ख) कौआ, (ग) फौवारा
2. (क) खिलौना, (ख) चौगनी
3. (क) खिलौना, (ख) पौधा, (ग) चौगनी, (घ) तौलिया
4. (क) सभी फूल, (ख) प्यारे, (ग) हरा, (घ) चुपचुप, (ङ) प्यारा

पाठ-14 : 'अं' की मात्रा (ं) का ज्ञान

1. (क) मंदिर, (ख) हंस, (ग) झंडा
2. (क) जंगल, (ख) भयंकर, (ग) मंगल, (घ) शंकर
3. (क) नींद, (ख) जंगल, (ग) आवाज, (घ) मंगल
4. (क) कंस, (ख) मंगल, (ग) चंचल, (घ) भंग

पाठ-15 : चंद्रबिंदु 'अँ' की मात्रा (ँ) का ज्ञान

1. (क) ताँगा, (ख) कुँआ, (ग) झोंपड़ियाँ
2. (क) काँप, (ख) इकट्ठा, (ग) रंग-बिरंगी, (घ) तालाब
3. (क) काँप, (ख) इकट्ठा, (ग) रंग-बिरंगी, (घ) तालाब
4. (क) आँवला, (ख) मछलियाँ (ग) माँद, (घ) बधाइयाँ।

पाठ-17 : र-रेफ और पदेन की मात्राएँ

1. पार्क, कार्य, घर्षण, वर्षा।

(पदेन की मात्रा (, ,))

1. अग्र, इंद्र, ट्रैक्टर, ड्रम, प्रसाद, प्रतीक्षा।

पाठ-18 : पहेलियाँ

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) फलों का राजा आम है।
(ख) शेर को हम जंगल का राजा इसलिए कहते हैं, क्योंकि वह हिम्मतवाला है।
(ग) नहीं, हमें वृक्षों को नहीं काटना चाहिए।
(घ) मछली को अगर पानी से बाहर निकाल लें, तो मछली मर जायेगी।
(ङ) मक्का के भुट्टे पर दुशाला छाल को कहते हैं।
(च) आकाश में तारे रात में चमकते हैं।

पाठ-19 : बालक और मेंढक

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) उनकी आदत से दूसरों को कष्ट होता था।
(ख) मेंढक टरटराने लगे।
(ग) शरारती लड़के दूसरे लोगों को तंग करते थे।
(घ) मेंढक राजा की बात सुनकर लड़के लज्जित हुए।
(ङ) हमें किसी को कष्ट नहीं पहुँचाना चाहिए।
(च) बारिश से तालाब में लबालब पानी भर गया।
2. (क) मौत, (ख) कंकड़, (ग) लबालब, (घ) लज्जित, (ङ) मरता, प्रसन्नता

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) तालाब, 2. (ख) चार, 3. (क) वर्षा, 4. (ख) कष्ट,

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) उन्होंने, (ख) हत्या, (ग) बच्चों, (घ) प्रसन्नता, (ङ) मग्न, (च) लज्जित,
(छ) कष्ट, (ज) ज्यादा, (झ) संकल्प, (ञ) ध्यान, (ट) पत्थर, (ठ) संख्या
2. (क) चूहा बोला सावधान हो जाओ और दौड़ो।
(ख) मैं अब कभी ऐसी मजाक नहीं करूँगा।
(ग) कछुआ धीमी गति से चलता रहा।
(घ) इस कुत्ते ने क्या अपना भोजन किया।
(ङ) खरगोश देर तक सोता रहा।

पाठ-20 : रिमझिम-रिमझिम बरखा आई

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) पानी बरसने से खेतों में हरियाली छा गई।
(ख) बरखा आने पर आमों का मौसम आया।
(ग) बच्चों ने दादा-दादी को आवाज लगाई।
(घ) बादल छाने पर कोयल ने कूक मचाई।
2. (क) हरियाली, (ख) बदरी, (ग) आमों का मौसम, (घ) घर।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) उधम, 2. (ग) आमों, 3. (ग) बदरी, 4. (क) अम्मा।

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) दादुर, (ख) निकले, (ग) बच्चे, (घ) दादी, (ङ) आई, (च) रिमझिम,
(छ) बरखा, (ज) छाई
2. (क) वह वहाँ क्यों गया था? (ख) मैं स्टेशन तुम्हारी राह देखूँगा।
(ग) तुम कल खेलने आओगे? (घ) राम बोला तुम वहाँ जाओ।
(ङ) ऋचा स्कूल पढ़ने जाती है। (च) क्या तुम वहाँ मेरे पास आओगे?

पाठ-21 : लालची लाला (चित्रकथा)

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) लाला ने अपने पिता के सिर पर डण्डा मारा।
(ख) अध्यापक ने बच्चों को लालची लाला की कहानी सुनाई।
(ग) नहीं, तांत्रिक की बात ठीक नहीं निकली।
(घ) गलती लाला की थी।
(ङ) पहला ग्राहक के डण्डा मारते ही वह सोने का हो जाने का लालच दिया।
2. (क) अगर, (ख) ग्राहक, मार, (ग) तंबाकू, (घ) लालच, (ङ) डण्डा, सोने

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) तांत्रिक, 2. (ख) ग्राहक, 3. (ख) लालची दुकानदार, 4. (ग) बूढ़ा आदमी

व्याकरण अभिव्यक्ति

- (क) सिपाही (ख) हुक्का

रचनात्मक अभिव्यक्ति

पानी-खाली, मक्खी-चक्की, गुर्जर, कर्ज, चक्र, जरूर-गुरुदर, चढ़ो-उतरो, दुकान-सुबह, आँख-गाँव, लाला-माला, डण्डा-अण्डा।



वसुंधरा-2

पाठ-1 : साहसी बालक

भाषा अभिव्यक्ति

- (क) नदी किनारे गाँव वालों ने नदी के किनारे मजबूत किये।
(ख) पहाड़ की तलहटी में छोटा-सा गाँव था।
(ग) उस साहसी बालक ने दीवार में एक जगह पानी को रिसते देखा।
(घ) गाँव के दूसरी ओर एक नदी थी।
(ङ) बालक पानी रोकने के लिए उस छेद पर हाथ रखकर खड़ा हो गया।
(च) इस कहानी से हमें साहस से काम करने की शिक्षा मिलती है।
- (क) हिम्मत, (ख) बालक (ग) पानी, (घ) डूबने, (ङ) हाथ।
- परिभाषा-वे शब्द जो संज्ञा शब्द का ज्ञान कराते हैं, सर्वनाम कहलाते हैं।

बहुविकल्पीय अभिव्यक्ति

- (ख) डूब जाता 2. (क) पानी, 3. (ख) नदी।

व्याकरण अभिव्यक्ति

- वे शब्द जो संज्ञा शब्दों का बोध कराते हैं, सर्वनाम कहलाते हैं।
- (क) मैं, (ख) तुम, (ग) वह, (घ) किसने
- (क) मैं, (ख) उसने, (ग) वह, (घ) उसे, (ङ) उसने
- अकबर, यह, तुम, बीरबल, ये, प्रजा, इनका, ये, स्वर्ण मुद्राएँ, उन्हें, मैं, मेरी, मेरे राज्य।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

स्वयं कीजिए।

पाठ-2 : रिमझिम-रिमझिम बरसे पानी

भाषा अभिव्यक्ति

- (क) स्वयं कीजिए।
(ख) दादी माँ के भोग लगाने पर बिटिया पूजाघर में घुस जाती है।

- (ग) मिट्टी खाकर बिटिया भोली बनती है।
 (घ) रिमझिम बरसते पानी में बिटिया स्यानी हो गई।
 2. (क) भोग (ख) स्यानी, (ग) खुशबू, (घ) सुनाते, (ङ) मिट्टी,
 (च) रिमझिम-रिमझिम
 3. स्वयं लिखें जो अच्छी लगी हों।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) बचपन, 2. (ख) मिट्टी

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) रानी, (ख) भट्टी, (ग) थकाती (घ) छप्पन, (ङ) लोग, (च) रोंका,
 2. (क) बिटिया हुई स्यानी।
 (ख) रिमझिम-रिमझिम पानी बरसा।
 (ग) बिटिया मिट्टी खाकर भोली बनती है।
 (घ) दादी माँ पूजा करती हैं।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

वस्तु—मोम, मिट्टी

प्राणी—माँ, दादी

स्थान—पूजाघर

पाठ-3 : अतिथि भगवान का रूप है

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) उन हंसों के पास सोने के पंख वाला हंस आया।
 (ख) तालाब पर वे अपना अधिकार समझते थे।
 (ग) “महाराज! वे हंस उस तालाब पर अपना अधिकार समझते हैं। वे आपको छह माह में सोने का एक पंख देते हैं। यदि आप मुझे वहाँ रहने दें, तो मैं आपको रोज़ सोने का पंख दिया करूँगा।”
 (घ) सुनहरे पंखों वाले हंस राजा के तालाब में रहते थे।
 2. (क) गलत, (ख) सही, (ग) सही, (घ) गलत।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) भगवान का, 2. (क) हंस, 3. (क) तालाब में, 4. (ग) अनादर।

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) माता-पिता, (ख) शेर-शेरनी, (ग) चाचा-चाची

2. (क) उसका पंख स्वर्ण का है।
 (ख) वहाँ एक सरोवर है।
 (ग) हँस अफसोस करने लगे।
 (घ) अतिथि ईश्वर का रूप होता है।
 (ङ) वह खाने में हिस्सा माँगेगा।
3. (क) राजा, (ख) बाजा, (ग) हिस्सा, (घ) हंस, (ङ) लाश, (च) बच्चा।

पाठ-4 : शेर और चूहा

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) जंगल का राजा शेर था।
 (ख) सभी जानवर शेर की प्रजा थी।
 (ग) चूहे ने शेर को नींद से जगा दिया।
 (घ) शिकारी ने जंगल में जाल लगाया।
 (ङ) शेर ने चूहे के प्राण बख्श दिये।
2. (क) छाया, (ख) खुशामद, (ग) जाल, (घ) घबराओ, (ङ) उपकार

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) शेर, 2. (ख) दया, 3. (ग) शेर को, 4. (क) चूहे ने

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) जंगल, (ख) फूल, (ग) औरत, (घ) पानी, (ङ) सागर, (च) राक्षस,
2. (क) राजा, (घ) नौकर, (ग) बन्दर, (ख) सेठ, (ङ) कुत्ता, (च) हाथी
3. (क) गुड़िया, (ख) बुढ़िया, (ग) पुत्री, (घ) युवती, (ङ) चुहिया, (च) शेरनी
4. (क) टोपियाँ, (ख) किताबें, (ग) बेटियाँ, (घ) बहनें, (ङ) महिलायें, (च) पुत्रियाँ, (छ) गुड्डे, (ज) मुर्गियाँ।
5. (क) बच्चा, (ख) तोता, (ग) कुर्सी, (घ) रोटी, (ङ) नदी, (च) मेज

रचनात्मक अभिव्यक्ति

दीपावली, दशहरा, ईद, रक्षाबन्धन, होली, क्रिसमस।

पाठ-5 : स्वाधीनता दिवस

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) आजाद भारत का प्रथम पंधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू थे।
 (ख) 15 अगस्त सन् 1947 ई० को भारतीयों को आजादी मिली।

- (ग) आजादी की लड़ाई महात्मा गाँधी के नेतृत्व में लड़ी गई।
 (घ) 15 अगस्त सन् 1947 ई० को भारत और पाकिस्तान को दो भागों में बाँट दिया।
2. (क) भारी जान-माल, (ख) अंग्रेजों ने अपनी, (ग) बाँटी जाती है, (घ) देश को स्वाधीन कराने के (ङ) सम्मान करते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) महात्मा गाँधी, 2. (ख) ब्रिटिश, 3. (क) पंडित जवाहर लाल नेहरू, 4. (ख) 1947

व्याकरण अभिव्यक्ति

वे शब्द जो संज्ञा शब्दों का बोध कराते हैं, सर्वनाम कहलाते हैं।

1. (क) वह, (ख) तुम, (ग) मैं, (घ) हम, (ङ) मेरी और तुम्हारी
 2. (क) एकवचन, (ख) बहुवचन, (ग) बहुवचन, (घ) एकवचन, (ङ) बहुवचन
 3. अंग्रेजों ने अपनी 'फूट डालो ओर राज करो' नीति के तहत हिन्दू और मुसलमानों के बीच नफरत का बीज बो दिया।

पाठ-6 : एकता में शक्ति है

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) हाथी ने गौरैया के अंडे तोड़ दिये थे।
 (ख) गौरैया दंपति ने अपना घोंसला पेड़ पर बनाया।
 (ग) मधुमक्खी ने हाथी को गड्ढे में गिरा दिया और हाथी चोट खा गया।
 (घ) रोजे से तुम्हारे अंडे वापस तो नहीं आ जाएँगे। तुम्हें इस समय साहस से काम लेना चाहिए। साहस से ही तुम हाथी से अपने नुकसान का बदला ले सकते हो।
2. (क) अंडों, (ख) गौरैया, (ग) बुद्धिबल (घ) घोंसले।
3. (क) सही, (ख) गलत, (ग) सही, (घ) गलत

बहुविकल्पीय अभिव्यक्ति

1. (क) पेड़ पर, 2. (ख) कौए ने, 3. (ग) घने, 4. (ग) घोंसला

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) सुख, (ख) हैरान, (ग) परेशानी, (घ) रात्रि, (ङ) लघु, (च) दोस्त

2. (क) मधुमक्खी ने हाथी को सबक सिखाया।
 (ख) जंगल में हाथी रहता था।
 (ग) हाथी बहुत घमंडी था।
 (घ) गौरैया के अंडे हाथी ने तोड़ दिये।
3. (क) पर्दा, (ख) प्रतीक्षा, (ग) मतलब, (घ) दंपति।

पाठ-7 : भारत माँ के लाल

भाषा अभिव्यक्ति

- (क) हम जन-जन की सेवा करते हैं।
- (ख) हम राष्ट्र के पहरेदार हैं।
- (ग) हम भारत माता के लाल हैं।
- (घ) हम वीरों की सन्तान हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) देश पर, 2. (ख) भारत माँ के लाल।

व्याकरण अभिव्यक्ति

- (क) मातृभूमि, (ख) पितृभक्त, (ग) देशभक्त, (घ) देशप्रेम।

पाठ-8 : पढ़ने की आदत डालो

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) छोटी आयु में टेलीविजन देखने का प्रभाव आँखों और दिमाग पर पड़ता है।
 (ख) सफलता पाने के लिए तीन बातें इच्छा, लगन और प्रयास हैं।
 (ग) अपनी बाढ़तें पूरी करने के लिए बच्चे माता-पिता, भाई-बहन की भी अनदेखी करते हैं।
 (घ) मनोरंजनों में समय खराब करना, जीवन को अन्धकार में ले जाता है।
 (ङ) पुस्तकों में रुचि लेने पर तुम्हारा भविष्य सुन्दर हो सकता है।
2. (क) स्थायी, (ख) ठीक, (ग) शक्तिशाली, (घ) आदत, (ङ) कार्टून।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) कार्य में, 2. (ग) उन्नति, 3. (क) कार्टून में

व्याकरण अभिव्यक्ति

- (क) डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारत के राष्ट्रपति थे।
- (ख) सफलता पाने के लिए तीन बातों की जरूरत होती है।

- (ग) क्या तुम रोज टी०वी० देखते हो?
 (घ) बच्चों! यह कैसे हुआ?
 (ङ) महात्मा गांधी ने कहा—सदा सत्य का पालन करो।
 (च) सीता स्वयंवर का प्रसंग।
 (छ) अरे, तुम कब आए?
 (ज) मैं जाता हूँ तुम बाद में आते रहना।
 (झ) स्कूल के इर्द-गिर्द भीड़ जुटी है।
 (ञ) सौन्दर्य वरदान या अभिशाप।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

स्वयं लिखिए।

पाठ-9 : कम्प्यूटर

भाषा अभिव्यक्ति

- (क) कम्प्यूटर का प्रमुख गुण यह है कि पहले जो कार्य मनुष्य अपने मस्तिष्क से घण्टों में करता था, उन्हें कम्प्यूटर के द्वारा मिनटों में किया जा सकता है।
 (ख) कम्प्यूटर की खोज चार्ल्स बैबेज ने की थी।
 (ग) आज कम्प्यूटर का युग है।
 (घ) इसके प्रयोग से बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। आँखें कमजोर हो जाती हैं और शरीर की सक्रियता, शक्ति, नई-नई मौलिक सोच इससे प्रभावित हो जाती है।
- (क) की-बोर्ड, (ख) स्क्रीन, (ग) मिनटों, (घ) दिमागी मास्तिष्क,
 (ङ) जटिल से जटिल।

बहुविकल्पीय प्रश्न

- (ग) मशीनी मस्तिष्क 2. (ख) कम्प्यूटर, 3. (क) काफी समय तक
 4. (क) टी० वी० के पर्दे जैसा

व्याकरण अभिव्यक्ति

- (क) ज्योतिष, (ख) उपलब्ध, (ग) अतिरिक्त,
 (घ) मस्तिष्क, (ङ) उन्नीसवीं, (च) चिकित्सा
- (क) हर्ष, (ख) बुराई, (ग) दुर्गंध,
 (घ) पराधीनता, (ङ) नीरोगी, (च) भक्षक
- (क) तुम, (ख) मेरी,
 (ग) उस, (घ) उस

3.	हर्ष,	आँख,	झंडा,
	चाँदनी,	पतंग,	तरंग,
	रंगीला,	नंदन,	चंदन,
	हँसी,	गंध,	चाँद,
	मंगल,	मतंत्र,	पंजाब,
	सिंध,	गंगा,	जाऊँगी

रचनात्मक अभिव्यक्ति

स्वयं लिखिए।

पाठ-10 : हँसी के लतीफे

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) बच्चे मैदान में फुटबाल खेल रहे थे।
 (ख) पत्रकारिता सबसे अच्छा विषय है।
 (ग) किसान खेत से रवाँस की फली तोड़ रहा था।
 (घ) “तुम्हें शर्म नहीं आती?”
 (ङ) वीडियो गेम्स कम्प्यूटर पर खेले जाते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) वीडियो गेम खेल रहा था, 2. (ख) फुटबॉल, 3. (ग) खेती-बाड़ी की,
 4. (ग) कागज व कलम से,

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. सिर्फ, शर्म, पर्वत, स्ट्रीट, आर्य, नर्मदा, नर्म, कर्म
 2. (क) अन्धकार, (ख) कुरूप, (ग) दुख, (घ) अस्वार्थ, (ङ) नरक,
 (च) कठिन

रचनात्मक अभिव्यक्ति

भालू, हाथी, चीता, शेर, लोमड़ी, गुलाब, कमल, गेंदा, सूरजमुखी, डहेलिया।

पाठ-11 : स्वामी रामकृष्ण परमहंस

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) गदाधर के शरीर में दिव्य शक्ति विकसित हो रही थी।
 (ख) कोलकाता में भागीरथी तट पर माँ काली का मंदिर रासमणी नामक महिला ने बनवाया था।

- (ग) रामकृष्ण परमहंस के विश्वविख्यात शिष्य स्वामी विवेकानन्द थे।
 (घ) गदाधर ने आकाश में सफेद हंस की पंक्ति को उड़ते हुए देखा था।
 (ङ) स्वामी रामकृष्ण परमहंस को सभी लोग बचपन में गदाधर कहते थे।
 2. (क) माँ काली, (ख) चंद्रा देवी, (ग) नरेंद्र, (घ) भयभीत
 3. (क) गलत, (ख) सही, (ग) गलत, (घ) गलत

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) गदाधर, 2. (क) 17 फरवरी 1836 ई०, 3. (ख) कुल चार

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) परिवार, (ख) रमणीक, (ग) धार्मिक, (घ) स्वाँग
 2. (क) गदाधर बड़े निर्भीक थे।
 (ख) रक्षाबन्धन भाई-बहन का त्योहार है।
 (ग) कलकत्ता में माँ काली का मंदिर है।
 (घ) हमें अच्छे आचरण की संगति ही ग्रहण करनी चाहिए।

पाठ-12 : अमर शहीदों को प्रणाम

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) शत्रु से सरहद पर भिड़ने वाले जवान दृढ़ प्रतिज्ञ होते हैं।
 (ख) देश की रक्षा में मिटने वालों को अमर शहीद कहते हैं।
 (ग) जो धर्म-जाति में नहीं बँटते, ऐसे लोगों को राष्ट्रवीर कहते हैं।
 2. (क) जो भिड़े शत्रु से सरहद पर,
 छलनी सीना, पर नहीं रुके।
 (ख) वे राष्ट्रवीर थे हिंदुस्तानी,
 उन देश-भक्तों को प्रणाम।
 (ग) वे कफ़न तिरंगा ओढ़ चले,
 उन वीर शहीदों को प्रणाम।
 3. (क) सीना छलनी होने पर भी वे डटे रहे।
 (ख) वे राष्ट्रवीर थे हिंदुस्तानी
 (ग) वे दृढ़-प्रतिज्ञ थे अभिमानी
 (घ) वे कफ़न तिरंगा ओढ़ चले
 (ङ) जो नहीं बंटे किसी धर्म-जाति में

4. (क) जो मरे नहीं हो गए अमर, प्यासी धरती पर बहा खत।
वे कफ़न तिरंगा ओढ़ चले, उन वीर शहीदों को प्रणाम।
(ख) जो नहीं बँटे किसी धर्म-जाति में, न हिंदू बने,
न मुसलमान वे राष्ट्रवीर थे हिंदुस्तानी, उन देश-भक्त को प्रणाम।
(ग) जो भिड़े शत्रु से सरहद पर छलनी सीना, पर नहीं रुके।
वे दृढ़-प्रतिज्ञ थे अभिमानी, उन वीर शहीदों को प्रणाम।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) कफन, 2. (ख) शहीद, 3. (ख) हिंदुस्तानी, 4. (ख) अमर शहीद

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) करती, (ख) चीर, (ग) गर्म, (घ) करहद
2. (क) देश, (ख) अहंकारी, (ग) खून, (घ) अमर
3. (क) बहे, (ख) प्यासे, (ग) ओढ़े, (घ) भिड़े।

पाठ-13 : मोर और सारस

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) मोर सारस की हँसी उड़ाने लगा।
(ख) मोर और सारस अच्छे मित्र थे।
(ग) “मित्र, आओ; अपने पंखों का उपयोग करते हुए मेरे साथ-साथ उड़ो।”
(घ) सारस को आश्चर्य हुआ, क्योंकि वह मोर को अपना दोस्त समझता था।
2. (क) मित्रता, (ख) हँसी, (ग) सुंदर, (घ) फड़फड़ाए, (ङ) आकाश
3. (क) नहीं, (ख) नहीं, (ग) हाँ, (घ) हाँ
4. (क) मोर सारस का मज़ाक उड़ाने लगा।
(ख) मोर की बात सुनकर सारस को आश्चर्य हुआ।
(ग) मोर अपने आपको रूपवान कहता है।
(घ) मोर और सारस दोस्त हैं।
(ङ) मोर के पंख रंग-बिरंगे होते हैं।
5. (क) दूसरों, (ख) रंग-बिरंगी, (ग) हँसी, (घ) पसंद, (ङ) पूँछ, (च) पंख,
(छ) ऊँचा, (ज) हूँ

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) सारस, 2. (ख) मित्रता, 3. (ख) नृत्य, 4. (क) प्रसन्न मुद्रा में

व्याकरण अभिव्यक्ति

2. (क) समझे, (ख) फड़फड़ाए, (ग) उड़े, (घ) घूमे, 3. (क) लिखता, (ख) शोर।

पाठ-14 : फूलों की रानी

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) पकड़ी जाने पर तितली तुरत-फुरत उड़ जाती है।
(ख) तितली फूलों की रानी है।
(ग) तितली की आँखें नीली-पीली हैं।
(घ) तितली के लिए मम्मी तितली को छोड़ने के लिए कहती हैं।
(ङ) तितली के पंख रंग-बिरंगे हैं।
2. (क) मुरदा-सी पड़ जाती है।
(ख) जीवन सबको प्यारा है।
(ग) वन-उपवन में ये मंडराकर सबका दिल बहलाती है।
(घ) सब जीवों से प्यार करो,
(ङ) आँखें नीली-पीली हैं।
3. (क) तितली, (ख) बहलाती, (ग) मुरदा, (घ) मंडराकर, (ङ) प्यार, (च) मम्मी,

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) बच्चे, 2. (क) तितली,

पाठ-15 : सच कहो चंदा मामा

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) चंदा मामा धरती पर चाँदनी फैलाते हैं।
(ख) चंदा मामा आकाश में रहते हैं।
(ग) नई धुली चादर का अर्थ कोरी चादर है।
(घ) चंदा मामा को धरती पर हम घर में अतिथि बनाकर बुलाना चाहते हैं।
(ङ) हिरणों की गाड़ी पर चंदा चढ़ता है।
2. (क) सभी जगह फैलाओ तुम, (ख) हिरणों की गाड़ी पर चढ़कर,
(ग) आओ कभी इस धरती पर भी, (घ) सच कहो चंदा मामा,
(ङ) फिर भी नहीं गिरते हो तुम।

3. चाँदनी रात—शुक्ल पक्ष अंधेरी रात—कृष्ण पक्ष सुबह—प्रातःकाल
दोपहर—मध्याह्नकाल सुबह होने से पहले—भोर पक्ष शाम—संध्याकाल
4. (क) चंदा—मामा, (ख) धुली—चादर, (ग) बड़ा—विशाल, (घ) अतिथि—घर

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) चाँद को, 2. (ख) आकाश में,

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. आसमान, जमीन, चाँद की रोशनी, गृह

रचनात्मक अभिव्यक्ति

स्वयं लिखिए।

पाठ-16 : सीधा रास्ता

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) मास्टर जी ने बच्चों से सीधे रास्ते से जाने को कहा।
(ख) अध्यापक छात्रों को पहाड़ी यात्रा पर ले गए।
(ग) धर्म प्रकाश उल्टे रास्ते से गया।
(घ) धर्म प्रकाश की रक्षा साधु ने की।
(ङ) मंदिर पर जाने वाला रास्ता घुमावदार था।
2. (क) चिपककर, (ख) हानियाँ, (ग) ईनाम, (घ) बेवकूफी, (ङ) खाई

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) धर्म प्रकाश को, 2. (क) लाभ, 3. (ग) सीधे रास्ते से, 4. (ख) पहाड़ी यात्रा

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) क्या वह मेरी दी गई पुस्तक को पढ़ चुका है?
(ख) मैं कल यहाँ आया था, तुम वहाँ कब जाओगे?
(ग) मैं पुस्तक पढ़ रहा हूँ। तुम चुपचाप बैठो।
(घ) वह उसके साथ बाजार गया है, मैं तुम्हारे साथ नहीं जाऊँगा।
(ङ) तुमने उसे कब जाते देखा था?
2. लड़का—एकवचन, लड़की—एकवचन, लड़के—बहुवचन,
लड़कियाँ—बहुवचन, बकरी—एकवचन, टोपियाँ—बहुवचन,
महिलाएँ—बहुवचन, विद्यार्थीगण—बहुवचन, जनता—बहुवचन, जाति—बहुवचन
3. (क) पेड़-पौधे, (ख) सुरक्षा, (ग) उपहार, (घ) कुम्हलाना

रचनात्मक अभिव्यक्ति

क्रिकेट, फुटबॉल, कैरम, लूडो, बैडमिंटन, साँप-सीढ़ी।



मुस्कान-3

पाठ-1 : सुन लो बिटिया रानी

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) खुशबू, (ख) परियों की महारानी, (ग) हर्षाया, (घ) शृंगार (ङ) रानी को गले लगाया,
2. (क) खुशबू, भाती, (ख) हर्षाया, न्यारे, (ग) चूम-चूम, बलिहारी, (घ) शृंगार, लगाया (ङ) ऊपर, महारानी,
3. कवि कहते हैं कि रानी को देखकर फूलों ने भी रानी का शृंगार किया है। भीगे पत्तों से ढुलकाकर रानी को आँसू से पूजा का जल चढ़ाया।
4. रानी का, फूलों का, पापा का
5. (क) अम्बर, (ख) अश्रु, (ग) बलिहारी, (घ) अर्घ्य (ङ) सुनार

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) बिटिया, 2. (क) प्यारे

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. मीरा पेड़ चाबी कुर्सी
2. मनुष्य खिलौना देश पहाड़
3. (क) भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना के छक्के छुड़ा दिए।
(ख) भारत की जनता भाग्य में विश्वास करती है।
(ग) अनाथ बच्चों का अनाथालय शहर से बाहर है।
(घ) भीड़ ने चोर को घेर लिया है।
4. (क) लोहार, (ख) बढ़ई, (ग) अध्यापक, (घ) दर्जी।

पाठ-2 : चार चोर

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) दोनों ने योजना बनाई कि अपने दो साथियों को ठिकाने लगाकर सारा माल खुद ही हड़प लें। अतः उन्होंने अपने साथियों के खाने में ज़हर डाल दिया।
(ख) आपस में बाँट लिया, (ग) वे जानते थे कि नगर सेठ के यहाँ सेंध

लगाने की वारदात से शहर के चप्पे-चप्पे पर पुलिस फैल गई होगी। (घ) दो चोरों ने खाने में जहर डालकर बाकि दो चोरों को दे दिया और उन्हीं दो साथियों ने खाना लेकर पहुँचे हुए दो साथियों को डंडे से मार दिया और बचे हुए साथियों ने जहर वाला खाना खाकर खुद भी मर गये। (ङ) लालच करना बुरी बात है, क्योंकि बुरे का अंत बुरा ही होता है। (च) स्वार्थी चोर यही सोचते रहते हैं कि किसी दिन मोटा माल हाथ लगे तो अपने बाकी साथियों को मारकर सारा माल स्वयं ही हथिया लूँ।

2. (क) माल, (ख) पुलिस, (ग) तड़प (घ) दिन
3. (क) सही, (ख) गलत, (ग) सही (घ) गलत
4. (क) दो चोर ने बाकि चोरों को मार डालने की योजना बनायी।
 (ख) दो चोरों ने अपने साथियों के खाने में जहर मिला दिया।
 (ग) चोरों ने अपने साथियों पर हमला कर दिया।
 (घ) जंगल बहुत घना था।
 (ङ) चारों चोरों के हाथ खूब धन लगा।
 (च) चारों ने माल बाँटने का फैसला किया।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) जहर, 2. (ख) चोरी, 3. (क) जंगल में,

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) निर्गम, (ख) निर्गत, (ग) निर्जन
2. (क) शक्तिदायक, (ख) नुकसानदायक, (ग) फलदायक, (घ) आरामदायक
3. (क) दुखमय—दुखों से भरा, (ख) कष्टमय—कष्टों से भरा
 (ग) आनंदमय—आनंद से भरा

रचनात्मक अभिव्यक्ति

स्वयं कीजिए।

पाठ-3 : तपस्वी की सीख

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) कुटिया, (ख) तपस्वी को, (ग) दुष्ट, (घ) नीम के पेड़ के पत्ते को,
 (ङ) नीम का पौधा
2. (क) पत्ते, (ख) तपस्वी, (ग) मसल, (घ) तंग, (ङ) राजकुमार
3. (क) गलत, (ख) गलत, (ग) सही, (घ) सही

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) तपस्वी को, 2. (ख) नीम के पत्ते, 3. (क) राजा ने, 4. (ग) बाग में,

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) पुष्ट, (ख) खड़ा, (ग) जंग, (घ) कसर
2. (क) आत्मीयता, (ख) रक्तदान, (ग) अच्छाई, (घ) मनुष्यता।

पाठ-4 : हम हैं भारत के लाल

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) फौलाद, (ख) भारत, (ग) शांति का (घ) भारत के लाल,
2. (क) भारत के, (ख) संस्कृति की, (ग) फौलाद के, (घ) 'बुद्ध' और 'गाँधी'
3. (क) हम अमर इतिहास के प्रहरी हैं।
(ख) मगर हमारे हाथ छोटे हैं।
(ग) जोश हमारा तूफान है।
(घ) हम शांति के दूत हैं।
4. (क) हमारा भारत स्वर्ग जैसा है और हम उस स्वर्ग के बगीचे के फल हैं।
(ख) हमारे भारत में जो नफरत की आग है उसे हमें मिलकर बुझाना है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) बच्चों का, 2. (क) भारत

व्याकरण अभिव्यक्ति

2. (क) लाल—रक्त, रंग (ख) बागबान—बाग, बगीचा
3. (क) हाल, (ख) थकान, (ग) बड़ा, (घ) नश्वर, (ङ) प्रेम, (च) अविकट

पाठ-5 : जिसका काम उसी को साजे

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) गधा और कुत्ता, (ख) कलुआ, (ग) घर में चोर घुस आया है। तुम इस घर के चौकीदार हो। तुम्हारा कर्तव्य है कि जोर-जोर से भौकना शुरू कर दो, ताकि मालिक जाग जाए, (घ) बहुत मारा व मार-मार कर अधमरा कर दिया, (ङ) चोर।
2. (क) वफादार, (ख) गुस्सा, (ग) लादकर, (घ) तबेला, (ङ) चौकीदार,
(च) वाराणसी, (छ) ध्यान, (ज) कर्तव्य, (झ) कुत्ता, (ञ) ख्याल,

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) गधे को, 2. (ख) गधा और कुत्ता, 3. (ख) चोर

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) रात, (ख) राजाओं, (ग) कुत्ते, (घ) पुस्तक, (ङ) नदियाँ (च) गधे,
वसुंधरा-1 से 5

- (छ) बहनें, (ज) सड़क, (झ) भेड़, (ञ) कपड़े
2. (क) चाची, (ख) नदियाँ, (ग) नौकरानी, (घ) भेड़िया, (ङ) बकरी, (च) बहन,
- (छ) कुत्ता, (ज) नाना, (झ) पुत्र, (ञ) गधी, (ट) शेर, (ठ) मोरनी
3. राम ने कहा—तुम एक होनदार पुत्र हो। काश! मेरा पुत्र भी तुम्हारे जैसा होता, तो मैं उसे ढेर सारे खिलौने लाकर देता, परन्तु वह मेरी और अपनी माता की बात नहीं मानता। अपनी कक्षा में भी वह सबसे झगड़ा करता है और अपने शिक्षक से भी जुबान लड़ाता है। इसलिए उसे अक्सर स्कूल में दण्ड मिलता है। जब मुझे पता चलाता है तो मुझे बहुत दुःख होता है। ओह! मैं क्या करूँ?

रचनात्मक अभिव्यक्ति

स्वयं लिखें।

पाठ-6 : बिजली की कहानी

भाषा अभिव्यक्ति

- (क) आहियो के मिलान, (ख) टेलीग्राफ, (ग) शीशे के बल्ब का, (घ) एक छोटे से बच्चे को।
- (क) ऑक्सीजन, (ख) फिलामेंट, (ग) जादूगर, (घ) स्वप्न।
- (क) गलत, (ख) सही, (ग) सही, (घ) सही
- (क) एडिसन ने लाज कंपनी का बिगड़ा टेलीग्राफ यंत्र ठीक किया।
(ख) उन्नीसवीं शताब्दी में हवाई यात्रा करना तो स्वप्न जैसा था।
(ग) हवाई यात्राएँ करना तो स्वप्न जैसा था।
(घ) समुद्र में बड़े जहाज पानी में होते हैं।
(ङ) एडिसन ने बल्ब का आविष्कार किया।
(च) एडिसन ने प्रकाश का आविष्कार किया।

बहुविकल्पीय प्रश्न

- (ग) 11 फरवरी सन् 1847 ई०, 2. (क) बिजली का, 3. (क) बिजली के बारे में, 4. (ख) वैज्ञानिक

व्याकरण अभिव्यक्ति

- (क) नौकरियाँ, (ख) वस्तुएँ, (ग) बालकों, (घ) मोमबत्तियाँ, (ङ) कपड़े,
(च) प्रयोगशालाएँ, (छ) कठिनाइयाँ, (ज) पटरी

3. (क) यंत्र, (ख) खोज, (ग) शुद्धि, (घ) शुरूआत, (ङ) आदमी,
(च) विद्युत, (छ) उजाला, (ज) मुसीबत।

पाठ-7 : झूठ मत बोलो

भाषा अभिव्यक्ति

- (क) गधे की पीठ पर से नीचे गिर पड़ने से, (ख) हमें झूठ नहीं बोलना चाहिए
(ग) क्योंकि वह सेना में भर्ती होना चाहता था, (घ) कुम्हार थे
- (क) सिपाही, (ख) कर्मवीर, (ग) बहादुरी, (घ) राजपूत
- (क) सही, (ख) गलत, (ग) सही, (घ) सही
- (क) राजा ने सिपाहियों से कहा
(ख) राजा ने कर्मवीर से कहा
(ग) राजा ने कर्मवीर से कहा
(घ) कर्मवीर ने राजा से कहा

बहुविकल्पीय प्रश्न

- (ख) पाँच, 2. (क) बड़ा आदमी, 3. (ख) उसको युद्ध से डर लगता था
- (क) राजा से,

व्याकरण अभिव्यक्ति

- (क) गाँव, (ख) कुम्हार, (ग) बर्तन, (घ) कर्मवीर, (ङ) सैनिकों, (च) वीर

रचनात्मक अभिव्यक्ति

- स्वयं कीजिए।
- स्वयं कीजिए।

पाठ-8 : हाथी दादा

भाषा अभिव्यक्ति

- (क) चार कच्छों की, (ख) छाता, (ग) नहीं करूँगा तुम्हें माफ, (घ) छिपने का स्थान (ङ) माफी,
- (क) हाथी दादा ले के छाता, (ख) बन्द कराऊँ दुकान तुम्हारी,
जा पहुँचे बिग बाजार। मुझको तुम हो नहीं सुहाया।

- (ग) सुनकर हाथी की चिंघाड़, (घ) नहीं करूँगा माफ तुम्हें मैं,
दुबके शर्ट और बनियान। बोला हाथी सँड उठाया।
- (ङ) तब चूहा बोला कान पकड़कर,
हाथी दादा कर दो माफ।

व्याकरण अभिव्यक्ति

- (क) स्वेटर जर्सी इधर-उधर सब ढूँढे छिपने का स्थान।
(ख) हाथी छाता लेकर बाजार गया।
(ग) चूहे ने कहा कच्छे सिलवा दूँगा आठ।
(घ) इतने बड़े कच्छे हमारी दुकान में नहीं बनते।
(ङ) चूहा बोला कर दो हम को माफ।
- (क) अर्जुन श्रेष्ठ धनुर्धर है।
(ख) प्रकाशक पुस्तक बेचता है।
(ग) बिना फल की इच्छा के काम करो।
(घ) स्वेटर, जर्सी ढूँढे छिपने का स्थान।
(ङ) मैया तुम्हारी हितैषी है।
- (क) योगा, (ख) स्वर्णकार, (ग) कारोबार, (घ) आपसी, (ङ) छलरहित,
(च) हर्ष, (छ) रूई धुने का औज़ार, (ज) उत्सव, (झ) सरल, (ञ) कठोर,
(ट) शर्म, (ठ) भागना।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

स्वयं कीजिए।

पाठ-9 : बापू को प्रणाम

भाषा अभिव्यक्ति

- (क) पुतलीबाई, (ख) मोहनदास करमचन्द गाँधी, (ग) अंग्रेजों (घ) समान
(ङ) सूत काता
- (क) सीधे-सादे, सोटी वाले,
खद्दर और लँगोटी वाले
(ख) पुतलीबाई माँ के पूत
सदा हाथ से काता सूत

(ग) ऊँच-नीच का भेद मिटाया,
जन-जन को सुख पहुँचाया।

(घ) अंग्रेजों को मार भगाया,
देश को जंजीरों से छुड़वाया।

3. (क) सही, (ख) गलत, (ग) सही, (घ) गलत, (ङ) गलत

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) प्यारे बापू को, 2. (ग) मोहनदास करमचंद गाँधी

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) सूत, (ख) राष्ट्रपिता, (ग) लँगोटी, (घ) दूत (ङ) देश

2. (क) बापू ने देश से भेद-भाव मिटाया था।

(ख) दुनिया बापू को राष्ट्रपिता के नाम से जानती है।

(ग) प्यारे बापू को प्रणाम करते हैं।

(घ) बापू लँगोटी और खद्दर पहनते हैं।

(ङ) बापू ने सूत काता था।

3. पूत-बेटा, मिटाया-खत्म किया, सोटी वाले-डण्डी वाले, समान-एक-बराबर,
छुड़वाया-मुक्त कराया, प्यारा-अच्छा

रचनात्मक अभिव्यक्ति

स्वयं करें।

पाठ-10 : पत्र की यात्रा

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) “मैं कुशल हूँ और तुम्हारी कुशलता चाहती हूँ। अगले महीने मेरी दीदी की शादी है। तुम्हें जरूर आना है। नहीं आओगी तो मैं नाराज हो जाऊँगी।”,
(ख) गाड़ियों व हवाई जहाजों द्वारा भेजी, (ग) अगले महीने, (घ) अपनी सहेली को, (ङ) डाकिया, (च) डाकिया, (छ) चिट्ठी लिफाफे में बंद कर दी,

2. (क) डाक-टिकट, (ख) डाकखाने, (ग) कुशलता, (घ) पत्र-पेटी, (ङ) कुशल

3. (क) डाकखाना सभी के घर के पास होता है।

- (ख) डाकिया चिट्ठी डाकखाने में से लेकर जाता है।
 (ग) पत्रों पर मोहर डाकखाने में लगायी जाती है।
 (घ) चिट्ठियों को छाँटकर अलग-अलग शहरों और गाँवों में भेजा जाएगा।
 (ङ) नेहा ने अपनी सहेली को पत्र लिखा।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) दीदी की, 2. (क) सहेली को, 3. (ख) माँ से।

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) कार्यालय, (ख) भारवाहक, (ग) न्यायालय, (घ) मालवाहक,
 (ङ) भोजनालय, (च) संदेशवाहक, (छ) शौचालय, (ज) पत्रवाहक
 (झ) विद्यालय, (ञ) गंधवाहक,
 3. (क) पुल्लिंग, (ख) स्त्रीलिंग, (ग) पुल्लिंग, (घ) पुल्लिंग, (ङ) स्त्रीलिंग,
 (च) पुल्लिंग, (छ) पुल्लिंग, (ज) पुल्लिंग, (झ) पुल्लिंग, (ञ) स्त्रीलिंग,
 (ट) पुल्लिंग, (ठ) स्त्रीलिंग
 4. (क) जवाब, (ख) विवाह, (ग) अवश्य, (घ) खुद, (ङ) माता, (घ) पत्र

रचनात्मक अभिव्यक्ति

स्वयं लिखिए।

पाठ-11 : भारत का अद्भुत क्रिकेट कप्तान-महेन्द्र सिंह धोनी

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) केवल जीतना, (ख) माही, (ग) सचिन तेंदुलकर, (घ) उत्तर-प्रदेश
 के अल्मोड़ा जनपद के ल्वाली गाँव (पट्टी तल्लासालम) का, (ङ) सुनील
 गावस्कर, रवि शास्त्री, कपिल देव,
 2. (क) पहचान, (ख) सचिन तेंदुलकर, (ग) विज्ञापन, (घ) बड़प्पन, (ङ)
 ग्यारह
 3. (क) लौहार, (ख) लकड़हारा, (ग) कबाड़ी, (घ) किसान, (ङ) सुनार

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) ग्यारह, 2. (ख) माही 3. (ख) क्रिकेट के, 4. (क) महेन्द्र सिंह धोनी,

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. वे संज्ञा शब्द जो किसी धातु का बोध कराते हों, उसे धातुवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे—मेज, कुर्सी, कलम।
2. मनुष्य—जातिवाचक संज्ञा, कोयल—व्यक्तिवाचक संज्ञा, मेंढक—व्यक्तिवाचक संज्ञा, पक्षी—समूहवाचक संज्ञा, पेड़—व्यक्तिवाचक संज्ञा, कवि—जातिवाचक संज्ञा
3. (क) भारतीय सेना वीरता से लड़ती है।
(ख) लालकिला दिल्ली में है।
(ग) आकाश में चाँद-तारे दिखाई दे रहे हैं।
(घ) मीनाक्षी ईमानदार लड़की है।
4. परिभाषा—जो शब्द संज्ञा के बदले में आते हैं, उन्हें 'सर्वनाम' कहते हैं।
उदाहरण—मैं, हम, तुम, तू, वे, वह, उसे आदि।

पाठ-12 : रक्षाबन्धन

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) दीपावली, होली, (ख) परस्पर, (ग) श्रवण मास की पूर्णिमा को, (घ) दुकानों, (ङ) बहन-भाई के प्यार, त्याग और पवित्रता।
2. (क) दीर्घ-जीवन, सुख-समृद्धि, (ख) धर्म, जाति, (ग) भाईचारा, सहयोग, (घ) रक्षा-बन्धन, (ङ) श्रवण मास।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) पूर्णिमा के दिन 2. (क) अंक, 3. (ग) विभिन्न धर्म और जाति के

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. परिभाषा—जिस शब्द के द्वारा किसी कार्य के करने या होने का बोध हो, उसे क्रिया कहते हैं।
2. (क) उड़ते, (ख) होती, (ग) पड़ती, (घ) काट रहा, (ङ) खेल हो रहा
3. (क) नाम—वर्तमान काल उदाहरण—बच्चे खेल रहे हैं।
(ख) नाम—भूतकाल उदाहरण—वह चला गया था।
(ग) नाम—भविष्यत्काल उदाहरण—ममता खाना खाएगी।
4. (क) वैभव साइकिल चलाएगा।
(ख) अनुराग दौड़ेगा।

- (ग) उषा गा रही थी।
(घ) सुष्मिता खेल रही थी।

पाठ-13 : परोपकारी बालक

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) बूढ़ी औरत, (ख) एक मील, (ग) उपेक्षा की, (घ) सजा, (ङ) घास
2. हमें सभी की मदद बिना किसी स्वार्थ के करनी चाहिए।
3. (क) मुख्यमंत्री, (ख) मदद, स्वार्थ, (ग) सजा, (घ) दयनीय, (ङ) पसीना
4. (क) आशीर्वाद, (ख) दयनीय, (ग) कर्मसिंह, (घ) मायूस, (ङ) औरत, (च) प्यास, (ज) स्कूल, (छ) धर्मसिंह
5. (क) दयावान, (ख) दानी, (ग) भिखारी, (घ) कंजूस, (ङ) खिलाड़ी

बहुविकल्पीय प्रश्न

- 1.(ख), 2. (क)

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. विशेषण—(क) सुन्दर, (ख) मैली, (ग) लाल, (घ) दस, (ङ) पतली
विशेष्य—(क) फ्रॉक, (ख) कमीज, (ग) कोट, (घ) गायें, (ङ) टाँग।

पाठ-14 : नीतिवचन

नीतिवचन

1. (क) अच्छा, (ख) हमें कोई भी कार्य कल पर नहीं छोड़ना चाहिए। (ग) गुरु, (घ) जो स्वयं को छोड़कर दूसरों में बुराई ढूँढ़ता है।
2. (क) गलत, (ख) सही, (ग) सही, (घ) सही
3. (क) यात्री, (ख) स्वयं, (ग) परिवार, (घ) फिर (ङ) ईश्वर, (च) ठंडा
4. (क) हे प्रभु! आप बस मुझ पर अपनी इतनी कृपा कर दीजिए कि मैं अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा कर सकूँ और न मैं भूखा रहूँ और मेरे दरवाजे से कोई भूखा वापस न जाये।
(ख) कवि कहते हैं कि गुरु और गोविंद दोनों ही सामने खड़े हैं, मैं किसको प्रथम नमन करूँ। यह गुरु ने मुझे आपकी कृपा से बता दिया है कि गुरु और ईश्वर में गुरु सर्वोपरि होता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) बानी, 2. (क) कल

व्याकरण अभिव्यक्ति

2. (क) किसके, (ख) विनाश, (ग) समय, (घ) अपना, (ङ) लगते हैं, (च) अपने आप.

पाठ-15 : लालच बुरी बला

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) लालच, (ख) “हे जंगल के राजा! तुम एक खूँख्वार जानवर हो। तुम पर भरोसा कैसे किया जाये? क्या सचमुच यह कंगन सोने का है?” (ग) स्नान (घ) “वास्तव में तुम ठीक कहते हो मित्र! जवानी में मैंने बहुत से जीवों की हत्या की है। उनकी हत्या के पाप से मेरा जीवन कलंकित हो गया है। मैं बहुत बड़ा पापी हूँ, पर आज मुझे अपने किए पर पश्चाताप हो रहा है। मैं अब बूढ़ा हो गया हूँ। मैं किसी की हत्या नहीं कर सकता। (ङ) सोने का कंगन,

2. (क) पाप, कलंकित, (ख) बूढ़ा, (ग) उस यात्री, (घ) कंगन, (ङ) चतुर
3. लालच बुरी बला है। हमें कभी भी लालच नहीं करना चाहिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) सोने का कंगन, 2. (क) कंगन का, 3. (ख) बुरी

व्याकरण अभिव्यक्ति

2. (क) पाप—हत्या के लिए, (ख) लालच—यात्री के लिए, (ग) फटी—किताब के लिए, (घ) पापी—मैं के लिए, (ङ) सुन्दर—गुलाब का फूल के लिए,
3. (क) वास्तव, (ख) पश्चाताप, (ग) राहगीरों, (घ) दुर्बल, (ङ) यात्रियों, (च) खूँख्वार,
4. (क) पछतावा, (ख) बहेलिया, (ग) प्रेम से भक्ति, (घ) हताश, (ङ) बाग, (च) माँ, (छ) शिकार, (ज) यकीन, (झ) खयाल, (ञ) पत्र

रचनात्मक अभिव्यक्ति

स्वयं कीजिए।

पाठ-16 : माँ! मैं भी लड़ने जाऊँगा

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) लड़ने, (ख) मैंने जो तेरा दूध पिया, वह दूध न कभी लजाऊँगा, (ग)

वर्दी,

- (घ) लंबी, (ङ) चूहे दूर भगाए थे,
2. (क) दुश्मन को मार गिराऊँगा, (ख) तेरी रक्षा के लिए अभी,
माँ! मैं भी लड़ने जाऊँगा। तेरा यह बेटा जिंदा है।
(ग) मैंने जो तेरा दूध पिया,
वह दूध कभी न लजाऊँगा।
3. (क) सही, (ख) सही, (ग) गलत, (घ) गलत, (ङ) गलत
4. (क) बालक ने माँ से, (ख) बालक ने माँ से, (ग) बालक ने माँ से, (घ)
बालक ने माँ से, (ङ) बालक ने माँ से

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) लड़ने, 2. (ख) बंदूक

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) अर्जी, (ख) विधवा, (ग) बंदूक, (घ) दुश्मन,
2. (क) बहादुर, (ख) सरहद, (ग) पिता, (घ) दाखिला
4. इस कविता में बालक में वीरता का भाव है। वह सेना पर अपने भारत व माता-
पिता का नाम ऊँचा करना चाहता है।
5. इस कविता से बच्चों को यह शिक्षा मिलती है कि सभी बच्चों को बहादुरी से
लड़ना चाहिए।



वसुंधरा-4

पाठ-1 : मेरे मन मन्दिर में आना

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) प्रभु चरणों की आस लिए मैं नंगे पाँव चला आया हूँ, (ख) प्रभु से,
(ग) प्रभु आस, (घ) स्वयं को सहारा देने की (ङ) मन मन्दिर।
2. (क) प्रभु चरणों की आस लिए मैं, (ख) हाथ बढ़ाकर मुझे उठा लो
नंगे पाँव चला आया हूँ। मेरा नहीं है कोई ठिकाना
(ग) कैसा यह संसार रचा प्रभु (घ) घोर अधम पापी हूँ प्रभुजी!
दुःख में कोई पास न आए। देखो मुझको मत बिसरान

(ङ) तपती रेत राह में काँटे,

उनसे कब मैं घबराया हूँ।

3. घोर अधम पापी हूँ प्रभुजी! देखो मुझको मत बिसराना आकर कभी देख तो जाना, मेरे मन मन्दिर में आना।

4. (क) लो-सँभालो, (ख) आए-पाए, (ग) जाना-आना, (घ) ठिकाना-आना

5. (क) कैसा यह संसार रना है प्रभु ने।

(ख) वह बाजार से ठीक-ठीक मूल्य की सब्जी ले आया।

(ग) प्रभु चरण की आस लिए मैं नंगे पाँव चला आया हूँ।

(घ) प्रभु कभी मेरे मन मन्दिर में आना।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) प्रभु, 2. (ख) मन्दिर

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) निराशा (ख) उजाला, (ग) झूठा, (घ) धरती

2. (क) शेरनी, (ख) पुरुष, (ग) लड़का, (घ) बालिका,

3. (क) घण्टे, (ख) मुर्गियाँ (ग) बहुत, (घ) हीरे

4. (क) बहुवचन, (ख) एकवचन, (ग) एकवचन, (घ) बहुवचन

5. (क) उत्तम पुरुषवाचक, (ख) अन्य पुरुषवाचक, (ग) अन्य पुरुषवाचक, (घ) अन्य पुरुषवाचक

6. (क) व्यक्तिवाचक, (ख) जातिवाचक, (ग) समूहवाचक, (घ) द्रव्यवाचक, (ङ) भाववाचक।

पाठ-2 : समाचार-पत्र (अखबार)

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) उदंत मार्टेड, (ख) देश-दुनिया की खबर प्राप्त करने के लिए,

(ग) सोलहवीं शताब्दी, (घ) अंग (ङ) न्यूज एजेंसीज (च) देश-दुनिया की खबर से अवगत कराना,

2. (क) गलत, (ख) सही, (ग) गलत, (घ) गलत, (ङ) गलत

3. (क) प्रकाशन बड़े-बड़े समाचार समूहों द्वारा किया जाता है।
 (ख) समाचार से ही कुछ लोगों की सुबह होती है।
 (ग) छापाखाना प्रचलन में आते ही समाचार-पत्र छापे जाने लगे।
 (घ) खबर समाचार-पत्र द्वारा हमें प्राप्त होती है।
 (ङ) परीक्षा के परिणाम भी समाचार-पत्र में निकलते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) समाचार-पत्र, 2. (ख) दरवाजे पर, 3. (ग) अरबबारात-ई-मुअल्ले, 4. (क) हाथ से लिखकर

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) संवाददाताओं, (ख) अखबारों, (ग) लड़के, (घ) धर्मों, (ङ) देशों, (च) समूहों।
2. (क) विदेशी, (ख) अभ्रामक, (ग) अनिर्माता, (घ) रात, (ङ) अविरोधी, (च) अधार्मिक।

पाठ-3 : शेख चिल्ली का पायजामा

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) पायजामा, (ख) क्योंकि लड़के उस पर हँसते थे, (ग) कुएँ में, (घ) नहीं, (ङ) घर में,
2. (क) खुदा, जान, (ख) आँधी, कपड़े, (ग) पायजामा, तैर, (घ) मर, दुश्मन (ङ) घर, उड़,
3. (क) सही, (ख) गलत, (ग) गलत, (घ) सही, (ङ) सही

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) पायजामा, 2. (ख) अलगनी पर, 3. (ग) कुएँ में

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) हँसना, (ख) पढ़, (ग) जायेगा, (घ) सेवा करनी, (ङ) बैठने।
2. (क) विशेषण, (ख) विलोम, (ग) संयुक्त वर्ण, (घ) पर्यायवाची, (ङ) भूतकाल, (च) पूर्व दिशा, (छ) क्रिया, (ज) व्यंजनों, (झ) लिंग, (ञ) सर्वनाम।

पाठ-4 : केरल की सैर

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) ओणम, नौका-दौड़ करके, (ख) नारियल का घर, (ग) खेती-बाड़ी व मछलियाँ पकड़ना, (घ) नौका-दौड़ का (ङ) मलयालम
2. (क) मसाले, (ख) सरस्वती, (ग) नारियल, (घ) हाथी, (ङ) माता (च) सफेद।
3. (क) गलत, (ख) सही, (ग) सही, (घ) सही, (ङ) सही, (च) सही
4. (क) घने जंगल पाए जाते हैं।
(ख) भारत का प्रसिद्ध गिरजाघर।
(ग) नारियल का घर।
(घ) गर्म और आर्द्र है।
(ङ) दक्षिण में एक सुंदर प्रदेश।
(च) देश में सबसे आगे है।
5. (क) रीवाज, (ख) पौष्टिक, (ग) हरियाली, (घ) व्यंजन, (ङ) मलयालम, (च) प्रचुर, (छ) परिश्रमी, (ज) जावित्री।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) मलयालम, 2. (क) दक्षिण, 3. (ग) परिश्रमी 4. (ग) प्रकृति,

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) आँखें, (ख) जटाएँ, (ग) साड़ियाँ, (घ) स्त्रियाँ, (ङ) मछलियाँ, (च) मंदिरों।
2. (क) मंदिरों में कथकली नृत्य होता है।
(ख) लोग सादा जीवन बिताते हैं।
(ग) यहाँ मसाले प्रचुर मात्रा में होते हैं।
(घ) यहाँ पूरे वर्ष वर्षा होती रहती है।
(ङ) ओणम के अवसर पर यहाँ नौका दौड़ होती है।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

1. मलयालम, 2. तेलगु, 3. गुजराती, 4. असमिया, 5. बंगाली, 6. मराठी, 7. पंजाबी,
8. हरियाणवी।

पाठ-5 : लाल बहादुर शास्त्री

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) लाल बहादुर शास्त्री जी, (ख) नन्हें, (ग) श्रीमती ललिता देवी,
(घ) ताशकंद में (ङ) वाराणसी के निकट मुगलसराय,
2. (ख) अध्यापक, (क) श्रीमती राम दुलारी, (ग) जय जवान जय किसान, (घ) परमात्मा, (ङ) जहर

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) अध्यापक, 2. (ख) लाल बहादुर शास्त्री, 3. (क) नन्हें 4. (क) 2 अक्टूबर सन् 1904 ई०,

व्याकरण अभिव्यक्ति

2. (क) तीन, (ख) दो, (ग) सर्वनाम, (घ) संज्ञा, (ङ) क्रिया, (च) विशेषण

पाठ-6 : पितृभक्त भीष्म

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) “मेरा निष्पाप पुत्र जब तक जीना चाहेगा, तब तक मृत्यु उसको स्पर्श नहीं कर सकेगी। जब मेरा पुत्र इच्छा करेगा, तभी मृत्यु उसे छू सकेगी।”
क्योंकि उन्होंने अपने पिता के लिए अपना सिंहासन त्याग कर दिया व विवाह न करने की प्रतिज्ञा ली थी।
(ख) महाराज शान्तनु के पुत्र,
(ग) क्योंकि उन्होंने विवाह न करने की प्रतिज्ञा ली थी।
(घ) महर्षि वशिष्ठ से देवव्रत ने सांगोपांग वेदों की शिक्षा पाई थी। दैत्यगुरु शुक्राचार्य तथा देवगुरु बृहस्पति ने भी उनको शिक्षा दी थी। भगवान परशुराम ने उन्हें धनुर्वेद की शिक्षा दी थी।
(ङ) इसके पुत्रों की आपसे प्रतिद्वंद्विता हो जाएगी और आपसे शत्रुता करके तो देवता भी जीवित नहीं रह सकते।
2. (क) कुरुवंश, (ख) निषादराज, (ग) आठवाँ, (घ) देवव्रत, (ङ) परशुराम।
3. कहानी पढ़कर स्वयं लिखिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) शाप 2. (ग) आठ, 3. (ख) अपनी धारा में,

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) घूमना, (ख) वन्दना, (ग) खुशबू।
2. (क) राजा—नृप, भूपति, भूप
(ख) गंगा—देवनदी, मंदाकनी, भगीरथी
(ग) देवता—सुर, देव, वसु
3. (क) **महर्षि वशिष्ठ** के शाप से आठों वसुओं को मनुष्य योनि में जन्म लेना था।
(ख) गंगा जी उस **बालक** को लेकर अंतर्ध्यान हो गयी।
(ग) वहाँ उन्हें बहुत **उत्तम** सुगंध मिली।
(घ) परन्तु अपने **विनयी, सुशीलता योग्य** पुत्र को उसके अधिकार से वंचित करना नहीं चाहते थे।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

1. सांगोपांग, 2. निष्पाप, 3. शांतनु, 4. आशीर्वाद, 5. उत्तराधिकारी, 6. प्रतिद्वंद्विता,
7. महर्षि, 8. ब्रह्मचर्य, 9. दीर्घकाल, 10. शरशैया

पाठ-7 : वे मुस्कुराते फूल नहीं

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) महादेवी वर्मा जी ने, (ख) मुस्कुराने का, (ग) मुस्कुराते रहने का
2. (क) वे मुस्कुराते फूल नहीं
जिनको आता है मुरझाना,
वे तारों के दीप नहीं
जिनको भाता है बुझ जाना
(ख) क्या अमरों का लोक मिलेगा।
तेरी करुणा का उपहार?
रहने दो हे देव! अरे,
यह मेरा मिटने का अधिकार!
3. (क) भावार्थ—जिन आँखों में आँसू नहीं उसे नेत्र कहने का हक नहीं और जिनके शरीर में पीड़ा नहीं वह प्राणों की सेज कहलाने का अधिकारी नहीं है।
(ख) भावार्थ—जिसमें क्षय नहीं वह लोक कहने का अधिकारी नहीं है व जिसमें देश के लिए मिटने की भावना नहीं उसे जीने का अधिकार नहीं है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) ऋतुराज, 2. (ख) मुरझाना, 3. (क) बेसुध,

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) अधिकार, (ख) कीड़ा, (ग) चाह, (घ) जाना।
2. (क) मेघ—बादल, वारिद, जलधर
(ख) नयन—नेत्र, चक्षु, अक्षि
(ग) फूल—पुष्प, कुसुम, सुमन
(घ) राह—रास्ता, पथ, मार्ग
3. (क) बादल—मेघ बहुत जोर से गरजते हैं।
(ख) राह—हमें हमेशा सत्य की राह पर चलना चाहिए।
(ग) दया—माँ में करुणा का भाव होता है।
(घ) कष्ट—विश्वासघात बहुत पीड़ा देता है।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

1. फूल, 2. नीलम, 3. मुरझाना, 4. अधिकार, 5. ऋतुराज, 6. जलना, 7. बेसुध,
8. दीप, 9. सेज, 10. उपहार

पाठ-8 : छल का फल

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) दो लड्डू, (ख) अत्यंत सरल, सहज और सहनशील, (ग) क्योंकि वे विष के लड्डू साधु ने न खाकर उसके लड्डूकों ने खा लिए थे, वे दोनों मर गये थे, (घ) 'यह साधु प्रतिदिन मुझे परेशान करता है। इसे विष खिलाकर मार देना चाहिए।' (ङ) बुरे का फल बुरा ही मिलता है।
2. (क) युवक, (ख) दुष्ट और कुटिल, (ग) बुढ़िया, (घ) जीवन-भर, (ङ) मृत्युदंड
3. (क) सही, (ख) सही, (ग) गलत, (घ) सही, (ङ) गलत।
4. (क) साधु ने युवक से, (ख) युवक ने साधु से, (ग) साधु ने बुढ़िया से
5. (क) अर्थ—जाँच-पड़ताल

वाक्य प्रयोग—राजा ने बुढ़िया से पूछताछ की।

(ख) अर्थ—हैरानी

वाक्य प्रयोग—बुढ़िया को युवकों को देखकर हैरानी हुई।

(ग) अर्थ—ईश्वर के नाम पर भीख माँगना

वाक्य प्रयोग—साधु रोज बुढ़िया के द्वार पर अलख जगाता था।

(घ) अर्थ—मौत की सजा

वाक्य प्रयोग—बुढ़िया ने राजा से मृत्युदंड की माँग की।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) एक बार, 2. (क) साधु, 3. (ग) सरल, सहज और सहनशील, 4. (ग) दुष्ट और कुटिल दोनों

व्याकरण अभिव्यक्ति

2. (क) सफलता (ख) ठंडाई, (ग) मिठास, (घ) नयापन, (ङ) आवश्यकता, (च) अच्छाई,
3. (क) चढ़ाई, (ख) बुनाई, (ग) लिखाई, (घ) बनाई, (ङ) पढ़ाई, (च) सिलाई

रचनात्मक अभिव्यक्ति

स्वयं लिखिए।

पाठ-9 : पुस्तकें हमारी साथी

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) दुर्गुण, (ख) सुचरित्र, (ग) पुस्तकों का ज्ञान (घ) चरित्र, (ङ) ज्ञान।
2. (क) शान, चलता, (ख) चरित्र, पवित्र, (ग) अंधकार, ज्ञान, (घ) सागर, मोती, (ङ) दुर्गुणों, सद्संगति,
3. (क) सही, (ख) सही, (ग) गलत, (घ) गलत, (ङ) सही
4. (क) अस्तित्व, (ख) पद, (ग) व्यवस्थित करना, (घ) अच्छा साथ, (ङ) सुंदर चरित्र, (च) ज्ञान, (छ) फैसला करना, (ज) कहावत, (झ) अर्पण किया हुआ,
5. (क) से (घ) स्वयं लिखिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) कीमती, 2. (ख) मित्र,

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. सन्धि—दो अक्षरों का मिलकर तीसरे अक्षर में बदल जाना सन्धि है।
समास—परस्पर संबंध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्दों के मेल को समास कहते हैं।
2. परिभाषा—जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर किया जाता है, सर्वनाम कहलाते हैं।
उदाहरण—मैं, वह, उसके, उसको।
3. (क) राजभवन, (ख) सुंदर जिसका चरित्र, (ग) ईश्वर जो परम हो, (घ) यथाशक्ति, (ङ) वह पुरुष जो महान हो, (च) त्रिफल, (छ) राजकर्मचारी, (ज) त्रिलोक।

पाठ-10 : दीपावली का त्योहार

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) दीपक, (ख) हिन्दुओं का, (ग) मिठाईयाँ, फल व अन्य उपहार, (घ) क्योंकि इस दिन रामजी चौदह वर्ष के वनवास से वापस अयोध्या लौटे थे, (ङ) पटाखे और फूलझड़ियाँ।
2. (क) दीपक, (ख) त्योहार, (ग) वनवास, (घ) कर्मवादी, भाग्यवादी, (ङ) फूलझड़ियाँ और पटाखे
3. (क) सही, (ख) सही, (ग) सही, (घ) सही, (ङ) गलत

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) धनतेरस, 2. (क) महालक्ष्मी जी की, 3. (ग) कार्तिक माह में, 4. (ख) चौदह।

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) अनुस्वार शब्द—कंदीलों, सायंकाल, संकल्प, फेंका
(ख) अनुनासिक शब्द—फूलझड़ियाँ, मूर्तियाँ, मोमबत्तियाँ, चाँदी, बाँटी, हँसी
2. (क) अर्थ—अपना काम निकालना।
वाक्य—सुनील ने तुषार से अपना उल्लू सीधा कर लिया।
(ख) अर्थ—किसी की असलियत जान लेना।
वाक्य—माँ नौकरानी को कितना सीधा समझती थी, चोरी करते देखा तो आँखें खुल गयीं।

(ग) अर्थ—ठीक तरह से जाँच करना।

वाक्य—पिताजी ने बहन के लिए लाये गये फलों को पहले ही कसौटी पर कस लिया है।

(घ) अर्थ—एकता में बल।

वाक्य—घबराओ नहीं, कोई हमारा साथ दे या न दे हम दोनों मिलकर भी एक और एक ग्यारह होंगे।

(ङ) अर्थ—अपनी तारीफ खुद करना।

वाक्य—राजू माँ के सामने अपने मुँह मियाँ मिट्टू ही बनता रहता है।

3. (क) अयोग्य, (ख) प्रतिकूल, (ग) कठिन, (घ) नरक।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

स्वयं लिखिए।

पाठ-11 : हमारा देश भारतवर्ष

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) इसका सही अर्थ धरती के एक 'खण्ड' विशेष से है, (ख) भारत के, (ग) भारतवर्ष, (घ) हिन्दुओं की संख्या अधिक होने की वजह से, जन-जन में यह देश 'हिन्दुस्तान' के नाम से जाना जाता है। (ङ) एकता
2. (क) भारत खण्ड, (ख) हिन्दुओं, (ग) हिन्द महासागर, (घ) हिमालय, (ङ) एकता
3. (क) सही, (ख) सही, (ग) गलत, (घ) गलत, (ङ) सही

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) विशाल, 2. (क) साल, 3. (ग) इंडिया, 4. (क) हिमालय पर्वत

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. भूतकाल क्रिया
उदाहरण—रमेश कल काम कर चुका था।
2. भविष्य काल क्रिया
उदाहरण—कल वर्षा होगी।
3. वर्तमान काल क्रिया
उदाहरण—आज मैं दिल्ली हूँ।
4. (क) उपर्युक्त, गर्व, गांधर्व, गर्जन
(ख) मर्म, विमर्श, पर्वत, कर्ज

(ग) कर्म, धर्म, वर्ज, पर्व, पर्याप्त

(घ) अर्जुन, आर्थिक, ईर्ष्यालु, उर्मिला, प्रलय

रचनात्मक अभिव्यक्ति

स्वयं कीजिए।

पाठ-12 : अनमोल वचन

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) ज्ञान द्वारा, (ख) मीठी, (ग) क्योंकि अगर उसको प्रेम का ज्ञान नहीं है, (घ) क्योंकि गुरु ने ही तो गोविंद से मिलने का मार्ग बताया है। (ङ) जो ढाई अक्षर प्रेम का पढ़ा हुआ हो, (च) क्योंकि उसके बड़े होने से भी किसी पंथी को छाया प्राप्त नहीं होती है,
2. (क) माला फेरत जुग भया, फिरा ना मन का फेर
कर का मनका डार दे, मन का मनका फेर॥
(ख) पाहन पुजे हरि मिलें, तो मैं पूजौं पहार।
याते ये चाकी भली, पीस खाय संसार॥
3. (क) भावार्थ—खजूर के पेड़ का बड़ा होने का कोई फायदा नहीं है, अगर वह पंथी को न तो छाया दे सकता है और न ही फल।
(ख) भावार्थ—जब तक प्राण हैं ईश्वर की भक्ति कर लो, अगर एक बार प्राण नहीं होंगे तो बहुत पछताओगे।

व्याकरण अभिव्यक्ति

2. (क) हृदय, (ख) धन, (ग) व्याप्त, (घ) प्रलय, (ङ) गुनाह, (च) वाणी
3. (क) नरम, (ख) छोटा, (ग) पुण्य, (घ) कड़वे, (ङ) सत्संग, (च) झूठ, (छ) कल, (ज) गरम

पाठ-13 : साहसी दीपक

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) उसने बड़ी तेजी से उस तिरपाल के टुकड़े पर नुकीले डंडे से प्रहार किया। वह तब तक प्रकार करता रहा, जब तक कि उस तिरपाल के टुकड़े में एक बड़ा-सा छेद नहीं हो गया।
(ख) 15 अगस्त, 1996 को दिल्ली के मुख्यमंत्री ने दीपक को 'जीवन रक्षक पदक' से सम्मानित किया।

- (ग) क्योंकि उसने बड़ी बहादुरी से तेज वर्षा में अपने विद्यालय को बचा लिया।
 (घ) उसे अचानक ही आभास हुआ कि शायद छत पर वर्षा का पानी इकट्ठा हो गया है।
2. (क) सही, (ख) गलत, (ग) सही, (घ) सही
3. (क) सहपाठी ने दीपक से, (ख) दीपक ने स्वयं से, (ग) दीपक ने अध्यापिका से, (घ) दीपक ने सहपाठी से, (ङ) अध्यापिका ने दीपक से, (च) दीपक ने दुकानदार से,
4. स्वयं लिखिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) सितम्बर में, 2. (ग) जीवन रक्षक, 3. (ख) अध्यापिका से, 4 (ख) तिरपाल,

व्याकरण अभिव्यक्ति

2. (क) अरे वाह! सहवाग ने अपना शतक पूरा कर लिया।
 (ख) सीता, गीता, मीना और रीना पक्की सहेलियाँ हैं।
 (ग) अध्यापक ने कहा—“विद्यार्थियों सफलता के लिए परिश्रम करो”।
 (घ) क्या तुम उन्हें जो अभी-अभी आए हैं, जानते हो?

पाठ-14 : वीर अभिमन्यु

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) अपनी माँ के पेट से ली, जब अर्जुन चक्रव्यूह का वर्णन उसकी माँ को सुना रहे थे, (ख) आप इस तरह सोच में क्यों बैठे हैं महाराज!, (ग) आकाश में, (घ) अभिमन्यु को एक साथ मारने का आदेश दिया, (ङ) चक्रव्यूह की।
2. (क) कठिन, (ख) वीरगति, (ग) चक्रव्यूह, (घ) अच्छे, (ङ) वर्णन,
3. (क) सही, (ख) गलत, (ग) सही, (घ) सही, (ङ) गलत।
4. इस कहानी से हमें प्रेरणा मिलती है कि हमें हमेशा वीरता के साथ युद्ध करना चाहिए, केवल युद्ध ही नहीं हमें जीवन की कठिनाइयों का सामना भी वीरता से करना चाहिए।
5. (क) राजपुत्र, (ख) गृहस्वामी, (ग) देवलोक, (घ) वीरपुत्र, (ङ) वीरगति, (च) राष्ट्रीय ध्वज।
6. (क) पांडव पाँच भाई थे। (ख) दुर्योधन के सौ भाई थे।
 (ग) अभिमन्यु एक वीर पुत्र था। (घ) द्रोणाचार्य एक महान् गुरु थे।
 (ङ) अभिमन्यु वीरगति को प्राप्त हुआ।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) सात 2. (ग) अर्जुन का, 3. (ग) छह द्वार तक, 4. (क) अर्जुन की।

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) कायर, (ख) सरल, (ग) मित्र, (घ) आरम्भ, (ङ) सड़क, (च) खोलना
2. (क) चक्र + व्यूह, (ख) युद्ध + इष्टर, (ग) अभि + मन्यु, (घ) सम + आचार, (ङ) महा + राज, (च) द्रोण + आचार्य, (छ) गुरु + वार, (ज) धिक + अकारा
3. अर्थ—(क) ज्ञान, (ख) बिना शस्त्र वाला, (ग) व्याख्या, (घ) परेशान (ङ) मुसीबत।
वाक्य में प्रयोग—(क) चक्रव्यूह तोड़ने की विद्या अभिमन्यु ने माँ के पेट में ही सीख ली थी।
(ख) सातवें द्वार पर अभिमन्यु निहत्था हो गया।
(ग) अर्जुन ने अपनी पत्नी के सामने चक्रव्यूह का वर्णन किया था।
(घ) अभिमन्यु ने युधिष्ठिर से कहा—चिंता की क्या बात है?
(ङ) चक्रव्यूह तोड़ना बहुत कठिन होता है।
4. (क) बौछार, (ख) धनुष, (ग) हथियार, (घ) चक्रव्यूह, (ङ) आज्ञा, (च) प्रणाम, (छ) धिक्कारा, (ज) अभिमन्यु

रचनात्मक अभिव्यक्ति

1. कौरव, 2. द्रोणाचार्य, 3. युधिष्ठिर, 4. व्यूह 5. आग्रह, 6. चक्रव्यूह, 7. अभिमन्यु, 8. अतिरिक्त, 9. युधिष्ठिर, 10. निहत्था।

पाठ-15 : मंदबुद्धि शेर

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) गीदड़ का, (ख) गुफा को आवाज लगाकर, (ग) कि विपत्ति में हमें हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। (घ) कि 'गीदड़ जब यहाँ आकर बोलता होगा, तो यह गुफा उसकी बात का उत्तर जरूर देती होगी। (ङ) गुफा में,
2. (क) गीदड़, (ख) शाकाहारी, (ग) बात, (घ) चतुराई, (ङ) मौत
3. (क) सही, (ख) गलत, (ग) सही, (घ) सही, (ङ) गलत
4. (घ) दया, (ख) विनती, (ग) इच्छा, (घ) ध्वस्त, (ङ) अहंकार, (च) मित्रता

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) दोनों, 2. (ख) चतुराई 3. (ख) चतुराई

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) शेर ने जोर से दहाड़ मारी।

(ख) गीदड़ सिर पर पैर रखकर भागा।

(ग) शेर को बहुत जोर से भूख लगी थी।

(घ) ओ गुफा! ओ गुफा! तू बोलती क्यों नहीं?

(ङ) शेर गुफा में घुस गया।

2. (क) अर्थ—अपना काम निकालना।

वाक्य—राजू ने सुमित से अपना उल्लू सीधा कर लिया।

(ख) अर्थ—छोटा महसूस करना।

वाक्य—गलत व्यक्ति की बात का सही जवाब देने पर उसका इतना-सा मुँह रह जाता है।

(ग) अर्थ—मुसीबत आने पर पूरे वेग से भागना।

वाक्य—गीदड़ मृत्यु को देखकर सिर पर पैर रखकर भागा।

(घ) अर्थ—एक ही कार्य के लिए बहुत अधिक लोगों का होना।

वाक्य—भारत में एक कार्य पद के लिए हजारों आवेदन आते हैं, यह एक अनार सौ बीमार वाली बात हुई।

(ङ) अर्थ—मन में खोट आ जाना।

वाक्य—अजय का पैसा देखकर रामू का ईमान बिगड़ गया।

पाठ-16 : जिसने जीना सीख लिया

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) जन-जन का प्यार, (ख) फूलों का उपहार, (ग) आजादी का गलहार,
(घ) जिसने जीना सीख लिया है, (ङ) जगत का प्यार,

2. (क) जो काँटों के पथ पर चल आया,
फूलों का उपहार उसी को है।

(ख) जो गीत सजाता तलवारों के स्वर से,
आजादी का गलहार उसी को है।

- (ग) रहना सीखा जिसने दुर्दिन में,
साहस का उपहार उसी को है।
- (घ) परजन पीड़ा पर जो होता पीड़ित,
जन-जन का प्यार उसी को है।
- (ङ) दुश्मन के आगे झुका नहीं जो,
वीरों का सरताज उसी को है।

3. (क) आया, (ख) उपहार, (ग) गलहार, (घ) प्या

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) अधिकार, 2. (ग) वीरों

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. संज्ञा—तलवार, फूल, आजादी, परजन, उपहार, वीर
सर्वनाम—जो, जिसने, उसी, तुम, आप, हमारा
2. (क) हँस-हँस, जन-जन
3. (क) विशेषण, (ख) व्यक्तिवाचक विशेषण, (ग) क्रिया, (घ) विशेष्य, (ङ) पीला, हरि
4. (क) पतंग—सूर्य, चिड़िया, कागज की तीलियों की हवा में उड़ने की क्रीड़ा-वस्तु
(ख) सोम—अमृत, सुधा, पियूष।
(ग) ताल—छोटा जलाशय, आघात से उत्पन्न किया गया शब्द, जाँघ या हथेली पीटकर उत्पन्न शब्द
(घ) सारंग—मृग, कोयल, सिंह



वसुंधरा-5

पाठ-1 : बुराई न करो

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) नहीं, (ख) नहीं, (ग) हाँ, (घ) कि हमें कभी किसी की बुराई नहीं करनी चाहिए, (ङ) हाँ, करनी चाहिए, (च) हाँ,
2. (क) परिश्रम, (ख) बुराई, (ग) लड़ाई, (घ) झूठी, (ङ) बड़ाई।
3. (क) गलत, (ख) गलत, (ग) गलत, (घ) सही, (ङ) सही

4. (क) संकल्प, (ख) वातावरण, (ग) प्रबल प्रवाह, (घ) पहचान, (ङ) प्रतिष्ठित, (च) गठन, (छ) पद, (ज) अनोखा, (झ) सामर्थ्य

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) सत्य पर, 2. (ख) बुराई।

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. समय—आज, कल, कल रात, आखिरी दिन
स्थान—यहाँ, वहाँ, इधर, उधर
संख्या—एक बार, दो बार, तीन बार
मात्रा—बहुत, बल्कि, काफी
2. (क) आँधी (ख) नदी, (ग) हाथी, (घ) शेर, (ङ) कार,
3. (क) राखी परीक्षा का परिणाम देखकर बाँसों उछल पड़ी।
(ख) तुझे डाँट पड़वाकर मेरे कलेजे को ठण्डक पड़ गयी।
(ग) रामू काका रमा को उल्टी पट्टी पढ़ाते रहते हैं।
(घ) अपना रिजल्ट देखकर भाई फूला न समा रहा था।

पाठ-2 : भूकंप

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) सूर्य के समान आग का एक दहकता हुआ विशाल गोला थी।
(ख) कभी-कभी वर्षा का पानी पृथ्वी की दरारों से इस भीतरी आग तक पहुँच जाता है। इससे बड़ी तेज भाप बनती है। इस भाप में बड़ी ताकत होती है। यह बाहर आने का प्रयत्न करती है। धरती की मोटी परतों को फोड़कर जब यह निकलती है, तो पृथ्वी हिलने लगती है। इसी को 'भूचाल' या 'भूकंप' कहते हैं।
(ग) भूकंप आने पर पृथ्वी हिलने लगती है। जगह-जगह से धरती फट जाती है। उसमें बड़ी-बड़ी दरारें पड़ जाती हैं।
(घ) भीतरी तहों में खोलता हुआ जो तरल पदार्थ होता है, हम उसे 'मैग्मा' कहते हैं।
(ङ) भूकम्प आने से कोई लाभ नहीं अपितु हानि होती है।
(च) लावा बड़े वेग के साथ ऊपर आता है और किसी पहाड़ को फोड़कर बाहर निकल जाता है। ऐसे पहाड़ को 'ज्वालामुखी' कहते हैं।
2. (क) पहाड़, (ख) मैग्मा, (ग) भारत, (घ) भूकंप, (ङ) लावा,
3. (क) सही, (ख) सही, (ग) गलत, (घ) गलत, (ङ) सही

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) गर्मी, 2. (ख) लावा, 3. (ग) काँप, 4. (क) भूचाल।

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) गर्म, (ख) प्राचीन, (ग) मुख्य, (घ) महान, (ङ) दृढ़, (च) विषम, (छ) छोटा, (ज) सरल, (झ) बहुत, (ञ) बड़ी, (ट) सूक्ष्म, (ठ) नया, (ड) सुन्दर, (ढ) संक्षिप्त।
2. (क) वस्तु, (ख) लम्बा, (ग) करीब-करीब, (घ) सागर, (ङ) भाग, (च) जिन्दा, (छ) अन्दर, (ज) अचानक, (झ) जनों का समूह, (ञ) खेल की वस्तु, (ट) डरावना, (ठ) बेसुधा।

पाठ-3 : सत्य की महिमा

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) एक हजार स्वर्ण मुद्राएँ, (ख) धर्मराज, (ग) कि वह उसकी कूड़ा-करकट की टोकरी खरीद ले, (घ) राजा अपनी परीक्षा में सफल हो गया, (ङ) जब आपने राजकोष में दारिद्र्य को रख लिया है, तो मैं यहाँ से जा रही हूँ।
2. (क) सत्यवादी धर्मात्मा, (ख) धर्मराज, (ग) सत्य प्रतिज्ञा, (घ) एक हजार, (ङ) सत्य
3. (क) गलत, (ख) सही, (ग) सही, (घ) सही, (ङ) सही
4. (क) सैनिकों ने बहुत मोल-भाव करना चाहा, परन्तु ब्राह्मण नहीं माना।
(ख) यह मेरी दारिद्र्य की टोकरी है।
(ग) बिना सत्य के यज्ञ और दान व्यर्थ है।
(घ) इस टोकरी का भाव एक हजार स्वर्ण-मुद्राएँ हैं।
(ङ) राजा ने टोकरी अपनी पेट्टी में रख ली।
5. (क) इच्छा, (ख) इच्छा, (ग) समस्त, (घ) जलन, (ङ) दीनता, (च) मजबूर

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) स्वयं धर्मराज, 2. (ग) कूड़ा-करकट व दरिद्रता, 3. (ग) राजा

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) धर्मात्मा, (ख) सुख-दुःख, (ग) राजलक्ष्मी, (घ) स्वर्ण-मुद्राएँ, (ङ) राजसेवक
2. (क) दानप्रिय, (ख) सत्यप्रिय, (ग) धर्मप्रिय, (घ) यशप्रिय, (ङ) राजप्रिय, (च) शान्तिप्रिय,

3. (क) अर्थ—खुशी का ठिकाना न होना।

वाक्य—कंचन उत्तम श्रेणी से पास हो गयी, तो उसके अंग फूले न समा रहे।

(ख) अर्थ—दोहरा लाभ

वाक्य—समाचार-पत्र खरीदना महँगा नहीं है। पहले पढ़ने का आनन्द लो, फिर रद्दी में बेच दो। है न आम के आम गुठलियों के दाम।

(ग) अर्थ—धोखा देना

वाक्य—माँ तो रामू को विश्वासपात्र मानती थी, लेकिन उसने ही पीठ में छुरा भौंक दिया।

(घ) अर्थ—ताक-झाँक करना

वाक्य—पड़ोसियों की बुरी आदत होती है बगले झाँकना।

4. (क) रात्रि—रात, रैन, रजनी (ख) राजा—नृप, भूपति, भूप

(ग) यज्ञ—हवन, अग्नि, आहुति। (घ) ब्राह्मण—द्विज, भूसुर, भूदेव

पाठ-4 : यमुनोत्री यात्रा

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) अखरोट, चीड़ और बाँस, (ख) 11,000, (ग) थैले में टॉर्च, चाकू, पीने के पानी की बोतल और खाने की कुछ वस्तुएँ, (घ) सप्तऋषि कुंड में, (ङ) यात्रा के रोमांच के कारण

2. (क) हनुमान (ख) डायरी, (ग) सुहावना, (घ) आँधियाँ, (ङ) चन्द्रमा, (च) ठंडक,

3. (क) सही, (ख) गलत, (ग) सही, (घ) सही, (ङ) सही

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) प्रकृति के सुंदर दृश्य, 2. (ख) यमुनोत्री यात्रा पर, 3. (ग) 11,000 फुट,

व्याकरण अभिव्यक्ति

2. देश निकाला, माँ-बाप, आरामकुर्सी, मंदबुद्धि, रेलगाड़ी

3. (क) रामू पेड़ पर से फल तोड़ ले।

(ख) माँ बोली तू भी उठ बैठ मैं चाय ला रही हूँ।

(ग) पिताजी से कुछ रुपये माँग ले।

(घ) सुमन सुबह हो गयी, जाग जा।

(ङ) सुमित ने बताया कि राकेश दवा माता जी को देकर चला गया।

पाठ-5 : अन्तरिक्ष यात्रा

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) धरती के ऊपर छाए वायुमण्डल से, (ख) नहीं, (ग) चन्द्रमा, (घ) 1200 ई० में चीन में, (ङ) अंतरिक्ष
2. (क) विशाल, ओर-छोर, (ख) सौर मण्डल, (ग) अन्तरिक्ष स्टेशन, 1000, (घ) बाधाओं, (ङ) कोन्स्टैटिन जिओल्कोवस्की।
3. (क) गलत, (ख) गलत, (ग) सही, (घ) गलत, (ङ) सही
4. (क) छिपना, (ख) याद, (ग) आकार, (घ) पसंद, (ङ) खोज, (च) रक्षा, (छ) मिथ्या ज्ञान, (ज) अनभ, (झ) लहर

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) ग्रह, 2. (ग) अधूरा भ्रमपूर्ण दोनों, 3. (क) राकेट,

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) आकाश—आसमान, नभ, गगन, (ख) पवन—हवा, वायु, समीर, (ग) चन्द्रमा—चाँद, चन्द्र, शशि, (घ) प्रकाश—रोशनी, उजाला, दीप्ती, (ङ) पृथ्वी—धरती, धरा, भूमि, (च) विश्व—जगत, लोक, दुनिया।
2. (क) असम्भव, (ख) झूठ, (ग) असक्षम, (घ) धरती, (ङ) उजाला, (च) असफल, (छ) अरुचि, (ज) सूक्ष्म, (झ) रात, (ञ) अन्तिम
3. (क) भूतकाल, (ख) भविष्य काल, (ग) वर्तमान काल, (घ) भविष्य काल, (ङ) भूतकाल, (च) वर्तमान काल।

पाठ-6 : थॉमस एल्वा एडीसन

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) सन् 1847 ई० में अमेरिका के मीलान नगर, (ख) बिजली से, (ग) पिता का नाम सेमुअल एडीसन व माता का नाम लैसी इलियट, (घ) बुद्धिमान, (ङ) क्योंकि एडीसन ने कम्पनी की एक मशीन को ठीक कर दिया था कुछ ही समय में, (च) क्योंकि वह एडीसन के प्रश्नों से परेशान हो गयी थी।
2. (क) समाचार-पत्र, (ख) मशीन की खोज, (ग) नटखट, (घ) आविष्कार, (ङ) महत्वपूर्ण,
3. (क) सही, (ख) सही, (ग) गलत, (घ) सही, (ङ) गलत

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) ग्रामोफोन 2. (क) बल्ब का 3. (क) सन् 1847 ई० में 4. (ग) रेल के डिब्बे में

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. स्वयं कीजिए।
2. (क) वह चिकित्सालय में डॉक्टर के पास गया है।
वह औषधालय में वैद्य के पास गया है।
(ख) उसे पिता से अनुमति मिल चुकी थी।
उसे शिक्षक ने आज्ञा दी थी।

पाठ-7 : दो ऐसा वरदान

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) विद्या की, (ख) स्नेह भरा ज्ञान, (ग) कला-जगत, (घ) नहीं, (ङ) सरस्वती माँ से,
2. (क) तेरी महिमा गाते-गाते,
पढ़-लिखकर मैं बनूँ महान!
(ख) पूजा-स्तुति मैं क्या जानूँ,
करता हूँ बस तुझे प्रणाम।
(ग) जो भी पाठ पढ़ूँ मैं माता,
हर दम तेरा ही हो ध्यान।
(घ) सकल मनोरथ मिले शारदे,
पूरा हो मेरा अरमान।
(ङ) कला-जगत की शान बना दे,
दे माँ मुझको ऐसा दान।
3. (क) गलत, (ख) गलत, (ग) सही, (घ) गलत, (ङ) सही।
4. (क) भर दे, (ख) ज्ञान, (ग) बना दे, (घ) सम्मान, (ङ) मेरा, (च) गाता,
(छ) नादान, (ज) दान, (झ) ज्ञान।
5. संदर्भ—प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक..... के सरस्वती वन्दना नामक पाठ से ली गयी है।
अर्थ—हे सरस्वती माँ मुझको ऐसा दान दे कि मैं क्रोध, ईर्ष्या व अज्ञान को दूर करके कला के जगत की शान बन सकूँ।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) बालक, 2. (क) नादान

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. विशेषण—(क) क्रोधी, (ख) मधुर, (ग) स्नेह, (घ) शान, (ङ) नादान
विशेष्य—(क) बालक, (ख) याद, (ग) ज्ञान, (घ) कला-जगत, (ङ) बालक
2. (क) उजाला, (ख) अपमान, (ग) वरदान, (घ) धूर्त, (ङ) बालिका, (च) पिता
3. परिभाषा—जिस शब्द के द्वारा किसी कार्य को करने या होने का पता चलता है, उसे क्रिया कहते हैं।
उदाहरण—सूर्योदय हो रहा है। पिताजी अखबार पढ़ रहे हैं
क्रिया का महत्त्व—क्रिया से काम के करने व होने का बोध होता है।

पाठ-8 : वनों का महत्त्व

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) वनों से प्राप्त होने वाले अन्य सहायक उपजों से छोटे-छोटे उद्योग-धंधे भी चलाए जाते हैं; जैसे—लाख, गोंद, शहद, कत्था, बाँस, बेंत, जड़ी-बूटियाँ आदि के उद्योग इन वनों से कई तरह के तेल भी प्राप्त होते हैं, जिन्हें छालों और पत्तियों को पकाकर निकाला जाता है। टोकरियाँ, बेंत का फर्नीचर, रस्सी, बीड़ी बाँधने के पत्ते, पत्तल, दौने आदि बनाने के लिए वनों पर ही निर्भर रहना पड़ता है।
(ख) देश की आर्थिक उन्नति और विकास के लिए,
(ग) प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत खजाना,
(घ) भारत सरकार ने वनों के महत्त्व को देखते हुए अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाने का बीड़ा उठा रखा है। इसे वह 'वन-महोत्सव' के नाम से पुकारते हैं।
(ङ) चंदन, साल, आबनूस, सागौन, शीशम, चीड़ और देवदार के वृक्षों की लकड़ी।
2. (क) राजस्व, (ख) लकड़ियाँ, (ग) पशुओं, (घ) हरे वृक्षों, (ङ) वर्षा, सहायक
3. (क) भूमि के कटाव को रोककर नदियों के प्रवाह को भी संतुलित करते हैं।
(ख) ईश्वर ने वनों के रूप में संसार को प्राकृतिक-सौंदर्य का अद्भुत खजाना दिया है।
(ग) वनों का देश की आर्थिक उन्नति और विकास के लिए अत्यधिक महत्त्व है।
(घ) हरे वृक्षों को काटना कानूनी अपराध माना जाता है।
(ङ) वृक्ष दूषित वायु को सोख लेते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) वनों का, 2. (क) कीमती, 3. (ख) लकड़ियाँ,

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) उन्नति, (ख) नियंत्रित, (ग) उपयोगी, (घ) संतुलित, (ङ) उपजाऊ,
(च) प्राकृतिक
2. (क) ककड़ी, (ख) नंदन, (ग) साँस, (घ) भावज, (ङ) बुद्ध, (च) भक्ति,
(छ) संयंत्रित, (ज) बलवान।

पाठ-9 : स्वाधीनता दिवस

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) स्वाधीनता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है जबकि स्वतन्त्रता हमें गुलामी के बाद मिली आजादी है। (ख) मुगलों का, (ग) महात्मा गाँधी (घ) 15 अगस्त, 1947, (ङ) 1857 में।
2. (क) संसाधनों, दोहन, (ख) मुगलों, अधिकार, (ग) 15 अगस्त, 1947,
(घ) स्वाधीनता दिवस, तिरंगा झण्डा, (ङ) अंग्रेज, हथियारों
3. (क) सही, (ख) गलत, (ग) गलत, (घ) सही, (ङ) सही
4. (क) तैयार, (ख) नफरत, (ग) दोहन, (घ) निर्दयता, (ङ) आविष्कार,
(च) गुलामी

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) बीसवीं शताब्दी, 2. (ग) स्वाधीनता दिवस, 3. (ख) दो सदियों तक, 4.
(क) मुगलों का,

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. क्रिया-विशेषण—(क) धीरे-धीरे चलना, (ख) तेज, (ग) भौकता, (घ) सुबह
स्कूल आए, (ङ) खेल चलना।
2. (ग) गुलामी, (ख) देश-द्रोह, (ग) अनुत्तीर्ण, (घ) असत्य
3. (क) कृष्ण—राधापति, घनश्याम, वासुदेव
(ख) सरस्वती—महाभद्रा, श्रीप्रदा, वरप्रदा
(ग) पार्वती—अम्बिका, उमा, गोरी
(घ) सोना—स्वर्ण, कंचन, कनक।
(ङ) वायु—पवन, अनिल, समीर
(च) ईश्वर—प्रभु, भगवान, परमेश्वर

पाठ-10 : सुनहरे हिरण

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) ताकि कोई उनका शिकार न करे, (ख) दाहिनी ओर रहने वाले हिरण का नाम 'वटु' था और बाईं ओर रहने वाले हिरण का नाम 'सुखु' था, (ग) हिरणों के साथ खेलते थे, (घ) दया, (ङ) भद्रसेन।
2. (क) व्याध, (ख) दल, (ग) गर्भिणी, (घ) हिंसा (ङ) निराश

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) सुखु, 2. (क) सुनहरे हिरण, 3. (ख) वटु की, 4. (ख) व्याध की।

व्याकरण अभिव्यक्ति

2. (क) व्यक्तिवाचक, (ख) संज्ञा, (ग) जातिवाचक, (घ) सर्वनाम।

पाठ-11 : साहसी सतीश

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) बालक सतीश के इस साहसिक कार्य के लिए 'भारतीय बाल कल्याण परिषद्' ने उसे 'संजय चोपड़ा राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार' से सम्मानित किया है, (ख) 18 फरवरी 1980 को, यह घटना सहारनपुर के निकट रामनगर गाँव की है। (ग) वह तो चाहता था कि डाकू अब यहाँ से वापस न जाने पाएँ, (घ) साहसी बालक।
2. (क) गालियों, (ख) घटनास्थल, (ग) आतंक, (घ) आँख, (ङ) गट्ठर, आग
3. (क) गलत, (ख) सही, (ग) गलत, (घ) सही

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) घास के, 2. (ख) डाकूओं ने, 3. (ख) घर की दीवार पर,

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) अकपटी (ख) अच्छा, (ग) गरीब, (घ) हानि, (ङ) अपकार
2. (क) कृतघ्न, (ख) निष्पक्ष, (ग) दूरदर्शी, (घ) दुराचारी

रचनात्मक बोध

स्वयं करें।

पाठ-12 : उठो भारत के वीरो

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) सिरमौर, (ख) उन्नति, (ग) नंगे नाच, (घ) आतंक, (ङ) भौतिक सम्पदा में।

वसुंधरा-1 से 5

2. (क) यहाँ सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बहाने,
खुले आम नंगे नाच हो रहे हैं।
(ख) आध्यात्मिक खोज में था, कभी यह तारक।
(ग) मिटाई है तुच्छता, महाशक्ति है तुम्हीं में।
(घ) तुम्हें अग्रणी बनके, चलना पड़ेगा।
(ङ) कुटिल साँप, जो घर में घुसे हैं,
प्रथम मुख उन्हीं का, कुचलना पड़ेगा।
3. (क) गलत, (ख) सही, (ग) सही, (घ) सही, (ङ) गलत
4. (क) ताकत, (ख) समान, (ग) प्रारूप, (घ) झंडा, (ङ) सर्वोपरि, (च) गिरा हुआ, (छ) निर्वाचक, (ज) सम्पूर्ण, (झ) आकृति।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) कुटिल साँप, 2. (ख) वीरों को

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. उद्देश्य और विधेय मिलकर वाक्य बनता है।
2. वे वाक्य जिसमें ना या नहीं का प्रयोग होता है; जैसे—वह कल विद्यालय नहीं आयेगा।
3. विस्मयादिबोधक वाक्य
4. **परिभाषा**—आदेश देने के लिए कहे वाक्य आज्ञावाचक वाक्य कहलाते हैं।
उदाहरण—जाओ, जाकर मेरी किताब लेकर आओ।
5. **परिभाषा**—प्रश्न पूछने के लिए कहे वाक्य प्रश्नवाचक वाक्य कहलाते हैं।
उदाहरण—आप कौन हैं?
6. (क) गोष्ठियों, (ख) रोगियों, (ग) समाजों, (घ) दर्शकों, (ङ) किसानों, (च) सम्बन्धि, (छ) आंदोलनों, (ज) देशों, (झ) राष्ट्र।
7. (क) सुलभ, (ख) अपकार, (ग) वियोग, (घ) कटु, (ङ) असमर्थन, (च) निस्वार्थ, (छ) विग्रह, (ज) नीरस, (झ) सुपुत्र।

पाठ-13 : श्रीकृष्ण और सुदामा

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) बड़े चाव से खा लिया, (ख) उसने सुदामा को महल में जाने से रोक दिया, (ग) गरीब ब्राह्मण, गरीबी व दुर्दशा में, (घ) कि हमें हमेशा सभी की बुरे वक्त में सहायता करनी चाहिए। (ङ) संदीपन मुनि के आश्रम में, (च) सुदामा की टूटी-फूटी झोपड़ी एक सुंदर एवं विशाल महल में बदल कर किया।

2. (क) सच्चे (ख) दिलासा, (ग) आदर-सत्कार, (घ) परिवारजनों, (ङ) द्वारिका,
3. (क) गलत, (ख) सही, (ग) गलत, (घ) सही, (ङ) सही

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) बुरे वक्त में, 2. (क) स्वयं को, 3. (ख) श्री कृष्ण जी, 4. (ग) चावल

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) निवारण, (ख) बेसब्री, (ग) साबित, (घ) लज्जित, (ङ) ग्रहण, (च) आभूषण, (छ) दुर्दशा, (ज) सत्कार,
2. (क) श्री कृष्ण ने सुदामा को अपने सिंहासन पर बैठाया।
(ख) सुदामा के मन में कई बार आत्महत्या का विचार आता था।
(ग) सुदामा एक ब्राह्मण थे।
(घ) श्री कृष्ण ने अपने परिवारजनों के साथ सुदामा को विदा किया।
3. श्री कृष्ण, सुदामा, द्वारिका, संदीपन मुनि, आश्रम, चावल, पोटली, आभूषण, झोंपड़ी।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

स्वयं कीजिए।

पाठ-14 : आगे बढ़े चलेंगे

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) कि हमें जीवन में आगे बढ़ते रहना चाहिए, (ख) जीवन के अपने लक्ष्य, (ग) रामनरेश त्रिपाठी,
2. (क) स्वयं करें। (ख) स्वयं करें।
3. (क) बूँद, (ख) नस, (ग) होम, (घ) हृदय, (ङ) ध्यान

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) आगे, 2. (ख) तूफान

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. बदन-तन-मन, चलेंगे-टलेंगे, दल-उबल-जल, जलेंगे-चलेंगे, भय-हृदय-विजय, लेंगे-चलेंगे
2. (क) दिल, (ख) मंजिल, (ग) दमे, (घ) जीवन, (ङ) संध्या, (च) खून।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

स्वयं लिखिए।

वसुंधरा-1 से 5

पाठ-15 : समय का सदुपयोग

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) कीमती व अमूल्य, (ख) शैतान का घर, (ग) देवता, (घ) अमूल्य धरोहर, (ङ) जीवन असफल।
2. (क) सदुपयोग, (ख) शैतान, (ग) महापुरुषों, समय (घ) आलस्य, (ङ) समय, अमूल्य धरोहर
3. (क) सही, (ख) सही, (ग) गलत, (घ) गलत, (ङ) सही
4. हमें अपने सभी कार्य समय पर आज ही कर लेने चाहिए, यदि हम कार्य कल पर टालते रहेगे तो काम नहीं होगा और हम बाद में पछताएँगे।
5. (क) अन्तर्निहित, (ख) आस्था, (ग) ब्राह्मण, (घ) आदतें, (ङ) आतिथ्य, (च) अनासक्त, (छ) शरारत, (ज) वक्त, (झ) हद

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) समय का, 2. (क) संसार, 3. (क) कल पर।

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) अर्थ—पुरानी बातों को याद करना।
वाक्य—माँ बार-बार गड़े मुर्दे उखाड़ती रहती है।
(ख) अर्थ—मूर्ख व्यक्ति
वाक्य—हमारे गाँव के सरपंच तो एकदम मिट्टी के माधो के समान हैं।
(ग) अर्थ—वास्तविकता से हटकर अपनी ही नयी बातें करना।
वाक्य—सुमित खुद ही ख्याली पुलाव पकाता रहता है।
(घ) अर्थ—करारा जवाब देना।
वाक्य—सोनिया ने अपनी हार का सीमा को मुँहतोड़ जवाब दिया।
(ङ) अर्थ—अधिक लाभ होना।
वाक्य—व्यवसाय में लाभ होने के बाद सोने पे सुहागा हो गया।
2. (क) मिलावट, (ख) साहस, (ग) लगन, (घ) भारी, (ङ) भूरा।

पाठ-16 : चाचा नेहरू

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) कमला कौल, (ख) पं० जवाहर लाल नेहरू, (ग) पं० मोतीलाल नेहरू, (घ) 14 नवम्बर 1889 को, (ङ) 15 अगस्त 1947 को।

2. (क) सुख-सुविधाओं, (ख) रहन-सहन, अंग्रेजों, (ग) आन्दोलन, (घ) नेहरू जी, (ङ) गोपाल कृष्ण गोखले, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय और गाँधी जी,
3. (क) सही, (ख) सही, (ग) सही, (घ) गलत, (ङ) गलत
4. (क) समझदार, (ख) यादगार, (ग) कर्मनिष्ठ, (घ) गुण, (ङ) असर, (च) आकार, (छ) लहर, (ज) सन्देह, (झ) बाधा।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ख) वकील, 2. (क) जवाहर लाल नेहरू, 3. (क) 14 नवम्बर 1889 ई०

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) अर्थ—बोलते जाना
वाक्य—पिताजी को आज भाई पर गुस्सा आ गया और उन्होंने अब चुप्पी तोड़ दी।
- (ख) अर्थ—मजाक बनाना
वाक्य—पड़ोसियों को तो सिर्फ दूसरों के कटे पर नमक छिड़कना ही आता है।
- (ग) अर्थ—अपनी हैसियत से ज्यादा बड़ी बात करना।
वाक्य—जो आज तक कुछ नहीं कर सका वह हमें सीख दे रहा है। ये तो वही बात हुई छोटा मुँह बड़ी बात।
- (घ) अर्थ—बुरा भला बोलना
वाक्य—माँ ने सीमा को बिना गलती के खरी-खरी सुना दी।
- (ङ) अर्थ—अपनी वस्तु का कोई महत्व न होना।
वाक्य—अपने घर की योग्य वस्तु तो घर की मुर्गी दाल बराबर ही होती है।
2. (क) दंगा, (ख) महापुरुष, (ग) झींगुर, (घ) किसान, (ङ) आम, (च) सुविधा, (छ) मछली, (ज) समाचार, (झ) युवती,

वाक्य के भेद

3. (क) सरल, (ख) संयुक्त, (ग) मिश्रित, (घ) सरल, (ङ) सरल, (च) मिश्रित, (छ) संयुक्त, (ज) सरल, (झ) सरल, (ञ) संयुक्त।

पाठ-17 : चार मित्र

भाषा अभिव्यक्ति

1. (क) अस्थियों के ऊपर मांसपेशियाँ जमाकर, (ख) शेर की अस्थियों को सही क्रम में लगाकर अस्थि-पंजर तैयार करके, (ग) धन अर्जित करने, (घ) शेर की वसुंधरा-1 से 5

दहाड़ से, (ङ) बुद्धिमत्तापूर्वक,

2. (क) शेर, (ख) मित्र, (ग) विदेश, (घ) कुशल, (ङ) विनाश।
3. (क) गलत, (ख) गलत, (ग) सही, (घ) सही, (ङ) सही, (च) सही।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) बुद्धिमत्तापूर्वक, 2. (ख) चार, 3. (क) शेर का, 4. (ग) विदेश यात्रा पर।

व्याकरण अभिव्यक्ति

1. (क) हमें शक्ति का प्रयोग बुद्धिमत्तापूर्वक करना चाहिए।
(ख) शास्त्रों की विद्याओं में कुशल होना ही पर्याप्त नहीं है।
(ग) तीनों मित्रों ने अपनी शक्ति का प्रयोग किया।
(घ) विद्याओं में कुशल होना ही पर्याप्त नहीं है।
(ङ) प्रथम मित्र ने अस्थि पंजर संग्रह की।
2. (क) बुद्धि—मेधा, मति, अक्ल
(ख) कुशल—निपुण, चतुर, तजुबेकार
(ग) विद्या—ज्ञान, शारदा, सरस्वती
(घ) बुद्धिमान—होशियार, ज्ञानी, समझदार
(ङ) मित्र—दोस्त, सखा, साथी
3. (क) हमें कार्य समझदारी से ही करना चाहिए।
(ख) तीनों ने अपनी-अपनी शक्ति का प्रयोग शेर पर किया।
(ग) तीनों में सामान्य बुद्धि की कमी थी।
(घ) शिक्षित होना प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक है।
(ङ) प्रथम मित्र ने अस्थिपंजर को एकत्र किया।
4. (क) शेर, (ख) जंगल, ग) पेड़, (घ) रमेश।
5. (क) अस्थि + पंजर, (ख) मांस + पेशियाँ, (ग) बुद्धिमत्ता + पूर्वक, (घ) दौड़ + कर (ङ) वि + अचार।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

नवरत्न—नवरत्नों, परीक्षा—परीक्षाएँ, पैर—पैरों, बात—बातें, राजधानी—राजधानियाँ, सिर—सिरों, देश—देशों, बिस्तर—बिस्तरों, बादशाह—बादशाहों।